हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 80 बेमेतरा, गुरुवार 05 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

नकली 20 रुपये के सिक्के बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ने नकली सिक्के बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 20 रुपये के 6,400 नकली सिक्के बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 1.28 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा करीब पांच लाख रुपये मूल्य के अधबने सिक्के और नकली सिक्के तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनें भी जब्त की गई हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड तक फैला हुआ था। गिरोह के सदस्य नकली सिक्के तैयार कर उन्हें बाजार में खपाने का काम करते थे। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग किसी बड़े स्थान की तलाश कर रहे हैं, जहां कारखाना स्थापित किया जा सके। बताया जा रहा था कि इस कारखाने में औजार बनाए जाने हैं।

केदारताल ट्रैक पर फंसे आठ ट्रैकर्स में से दो के शव मिले, छह की तलाश जारी

उत्तरकाशी। केदारताल ट्रैक पर पांच दिन से फंसे आठ पर्वतारोहियों की तलाश में जुटी राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम को मंगलवार को दो शव मिले हैं। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। अन्य छह लोगों की तलाश के लिए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) और एसडीआरएफ की उच्च हिमालयी बचाव टीम ने अभियान जारी रखा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने दो शव मिलने की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, पांच दिन पूर्व केदारताल ट्रैक पर कच्ची ढांग के समीप आठ ट्रैकर्स फंस गए थे। उनकी तलाश के लिए एसडीआरएफ और निम की टीम मौसम साफ होने के बाद मंगलवार को बचाव अभियान पर निकली। समुद्र तल से करीब चार हजार मीटर की ऊंचाई पर चलाए गए इस अभियान के दौरान टीम को एक महिला और एक पुरुष का शव मिला। दोनों शव फंसे हुए ट्रैकर्स के होने की आशंका जताई जा रही है।

राज्योत्सव 2026

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार

■ बदलता बस्तर–संवरता छत्तीसगढ़' थीम पर आधारित प्रदर्शनी में वन संरक्षण, पर्यटन और आजीविका की पहल को मिला सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव 2026 में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को विभागीय प्रदर्शनियों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। राज्योत्सव के समापन एवं राज्य अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने यह सम्मान प्रदान किया। विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण कुमार पांडेय ने पुरस्कार प्राप्त किया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों- कर्मचारियों और वन धन केंद्रों से जुड़े सदस्यों को बधाई दी। गौरतलब है कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में 'बदलता बस्तर-संवरता छत्तीसगढ़' थीम पर तैयार प्रदर्शनी में बस्तर में शांति के साथ बढ़ते पर्यटन और आजीविका के अवसरों से लेकर प्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की पहलों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी को दो प्रमुख हिस्सों में विभाजित किया गया था। प्रवेश द्वार



पर जगदलपुर के जनजातीय गौरव वाटिका, बीजापुर स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व के चेंदरू गेट और दंतेवाड़ा के वन मंदिर के प्रतिरूप बनाए गए थे। इनके माध्यम से बस्तर की जनजातीय संस्कृति, प्रकृति के प्रति आस्था और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व की परंपरा को प्रदर्शित किया गया। बदलता बस्तर' खंड में सुकमा के तुंगल डैम स्थित 'तुंगल कैफे' की पहल विशेष आकर्षण रही। यहां मुख्यधारा में लौट चुकी पूर्व महिला नक्सली कैफे का संचालन कर रही हैं, जबकि स्थानीय युवा पर्यटकों को नौकायन और कयाकिंग की सुविधा उपलब्ध कराकर आजीविका अर्जित कर रहे हैं। प्रदर्शनी में इस पहल के माध्यम से बस्तर में बदलते सामाजिक परिवेश और रोजगार के नए अवसरों को सामने रखा गया। इसके साथ ही कांगेर घाटी के समीप धुड़मारास गांव के होमस्टे, कोंडागांव की पुष्पाल घाटी के इको-कॉटेज, तीरथगढ़ जलप्रपात और इंद्रावती टाइगर रिजर्व के मट्टीमरका क्षेत्र के मॉडल प्रदर्शित किए गए। धुड़मारास गांव का चयन संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन के 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम' में हुआ है। प्रदर्शनी में बस्तर की 572 देवगुड़ियों के जीर्णोद्धार, मनरेगा के अंतर्गत 21.67 लाख मानव दिवस रोजगार सृजन तथा कांगेर वैली में 35 सफारी जिप्सियों के संचालन से 200 स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की जानकारी भी दी गई।

डिजिटल तकनीक और वन उत्पादों ने भी किया आकर्षित

प्रदर्शनी में क्यूआर कोड आधारित वन्यजीव प्रश्नोत्तरी, इंटरैक्टिव गेम, 360 डिग्री वर्चुअल रियलिटी, लाइट एंड साउंड प्रभाव तथा सेल्फी प्वाइंट दर्शकों, विशेषकर युवाओं के आकर्षण का केंद्र रहे। क्यूआर कोड स्कैन कर दर्शकों ने विभाग की विशेष वेबसाइट के माध्यम से वानिकी योजनाओं और प्रदेश के इको-टूरिज्म स्थलों की जानकारी प्राप्त की। संयुक्त वन प्रबंधन के स्टॉल पर ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित बांस के घर, नाव, लालटेन और सजावटी वस्तुओं की बिक्री हुई। 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के स्टॉल पर वन मधु, सफेद मूसली, त्रिफला चूर्ण, एलोवेरा शैम्पू और महाभृंगराज तेल जैसे वन धन केंद्रों में तैयार उत्पादों ने भी लोगों को आकर्षित किया।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

अग्निवीरों को 2 साल का एक्सटेंशन 75 प्रतिशत जवानों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली/ एजेंसी



भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निवीर के रूप में सेवा दे रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव करते हुए अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का फैसला किया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने 4 नवंबर को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था के तहत शुरुआती चार साल की सेवा पूरी करने के बाद नियमित कैडर में शामिल नहीं होने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल और सेवा करने का अवसर मिलेगा। इस तरह उनका संभावित सेवा कार्यकाल चार साल से बढ़कर छह साल हो जाएगा। खास बात यह है कि दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल पूरा करने के बाद भी अग्निवीरों को नियमित सशस्त्र बलों में शामिल होने का अवसर मिल सकेगा। इसके लिए प्रदर्शन और निर्धारित चयन मानदंडों को आधार बनाया जाएगा। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि अग्निपथ योजना की शुरुआत के समय ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। इसी के तहत तीनों सेनाओं में अग्निवीरों के प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया गया। इसके लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस भी तैयार किया गया था, जिसमें थल सेना, वायुसेना और नौसेना के अग्निवीरों के प्रदर्शन का रिकॉर्ड रखा गया। हर साल उनके कामकाज की समीक्षा की गई।

अभिनेता तुषार कपूर से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मिली धमकी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी देकर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कथित तौर पर अभिनेता को फोन करने वाले ने खुद को गैंग से जुड़ा बताते हुए हैरी बॉक्सर के नाम का इस्तेमाल किया। धमकी मिलने के बाद तुषार कपूर ने बिना देरी किए मुंबई पुलिस को इसकी सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, शुरुआती जांच में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। पुलिस ने धमकी भरे कॉल में सुनाई देने वाली आवाज का मिलान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के उपलब्ध ऑडियो सैंपल से कराया।

ट्रंप का सूपड़ा साफ

यूएस मिडटर्म चुनाव में ट्रंप की पार्टी हारी दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत मिली

नई दिल्ली/ एजेंसी



अमेरिकी मध्यावधि चुनाव या यूएस मिडटर्म चुनाव-2026 के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सूपड़ा साफ हो गया है। ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी यानी 'ग्रैंड ओल्ड पार्टी'अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में हार चुकी है यानी बहुमत से दूर हो गई है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने दोनों सदनों हाउस और सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया है। दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स के हाथों करारी शिकस्त के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने हार स्वीकार कर ली है। साथ ही विपक्ष के साथ मिलकर काम करने की बात कही। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव हारने के बाद पहली प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कहा कि वह चुनावी बैलेट पर नहीं थे। अगर उनका नाम बैलेट पर होता, तो उनकी पार्टी बड़े अंतर से जीतती। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि मैं इन नतीजों को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हम डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके साथ काम करने को लेकर हम उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम कोई रास्ता निकाल लेंगे। दरअसल अमेरिकी संसद के हाउस सदन में में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 220 सीटों पर जीत हासिल कर ली है। जबकरि राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी 129 सीटों पर जीत चुकी है। यहां बहुमत के लिए 218 सीटों की जरूरत होती है।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने पर रोक गलत?

सुको ने कहा है अब इन कानूनों की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। स्थानीय निकायों और पंचायत चुनावों में दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवारी रद्द करने वाले कानूनों पर सुप्रीम कोर्ट ने अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि भारत में प्रजनन दर तेजी से गिर रही है, जिसके चलते आबादी नियंत्रण के नाम पर बने दो बच्चों की बाध्यता वाले कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं और इनके पीछे का तर्क बेमानी हो गया है। देश के कई राज्यों में स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों में जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'दो बच्चों की



नीति' लागू की गई थी। इसके तहत दो से अधिक जीवित संतान होने पर व्यक्ति को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया जाता था। हालांकि, पिछले दो दशकों में भारत के सामाजिक और जनसांख्यिकीय परिदृश्य में व्यापक बदलाव आया है।

जोधपुर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के मामले में 19 छात्र सस्पेंड

जोधपुर। राजस्थान के बाड़मेर में हुई रैगिंग की घटना के तुरंत बाद जोधपुर से भी इसी तरह की एक और घटना सामने आई है। जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने जूनियर एमबीबीएस छात्रों के साथ रैगिंग और दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच के बाद एक जूनियर रेजिडेंट सहित 19 लोगों को सस्पेंड कर दिया है। एक जूनियर रेजिडेंट समेत 5 छात्रों 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया है जबकि बाकी 14 छात्रों को 1 महीने के लिए सस्पेंड किया गया है। सस्पेंशन की अवधि के दौरान इन सभी छात्रों को क्लिनिकल पोस्टिंग, शैक्षणिक गतिविधियों और शैक्षिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है।

जोरदार हंगामा प्रदर्शन

पूर्व विधायक के बिजनेस प्रतिष्ठान में युवती की लाश मिली परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया...

रायपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक कपड़ा शोरूम की छत पर कर्मचारी दीपा सागर का शव मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने युवती के शरीर पर चोट के निशान होने का दावा करते हुए हत्या की आशंका जताई है। वहीं, पुलिस को घटनास्थल से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस आत्महत्या समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, दीपा सागर ने 21 अक्टूबर को कपड़ा शोरूम में काम करना शुरू किया था। परिजनों के मुताबिक, रविवार शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच उनकी दीपा से फोन पर बात हुई थी। बातचीत के दौरान उसने कहा था कि वह अभी बात नहीं कर सकती और बाद में फोन करेगी। यह व्यावसायिक परिसर भाजपा के पूर्व विधायक का बताया जाता है। मृतका के परिजनों ने युवती के साथ दुष्कर्म (रेप) करने के बाद बर्बरतापूर्वक उसकी हत्या करने और साक्ष्य छिपाने के लिए शव को फंदे पर लटकाने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। इस घटना के बाद परिजनों सहित स्थानीय वार्डवासियों में भारी



आक्रोश व्याप्त है। मंगलवार को गुस्साए लोगों ने मृतका की तस्वीर हाथ में लेकर बाफ्ना हाउस तक रैली निकाली और जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए निष्पक्ष जांच एवं न्याय की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवती बीते 21 अक्टूबर 2026 से जगदलपुर स्थित बाफ्ना हाउस में काम करने जा रही थी। इस परिसर में कपड़े और ज्वेलरी का बड़ा व्यावसायिक कारोबार होता है। 2 नवंबर 2026 को बाफ्ना हाउस परिसर में युवती का शव जमीन पर संदिग्ध हालत में पड़ा हुआ पाया गया था। शव के गले में चुन्नी का आधा टूटा हुआ फंदा लिपटा था, जबकि चुन्नी का शेष हिस्सा ऊपर लटक रहा था। घटना के बाद से ही परिजन इस मौत को आत्महत्या मानने से साफ इनकार कर रहे थे। परिजनों ने जब अंतिम संस्कार से पूर्व शव की स्थिति देखी, तो उनके संदेह को बल मिला। इन निशानों और स्थिति को देखते हुए परिजनों ने आशंका जताई है ।

महादेव सट्टा ऐप केस

आरोपी सौरभ चंद्राकर को 8 दिन की सीबीआई रिमांड अब सीबीआई मुख्यालय नई दिल्ली में होगी पूछताछ....

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में आरोपी सौरभ चंद्राकर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रायपुर की विशेषसीबीआई अदालत ने सौरभ चंद्राकर की 8 दिन की कस्टोडियल रिमांड मंजूर कर दी है। इसके साथ ही सीबीआई को उसे दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय ले जाकर पूछताछ करने की अनुमति भी मिल गई है। अब सौरभ से दिल्ली में सीबीआई की टीम पूछताछ करेगी। कोर्ट से रिमांड मिलने के बाद सीबीआई की जांच आगे बढ़ेगी। एजेंसी सौरभ चंद्राकर से महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप के संचालन, कथित सट्टेबाजी नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और इस पूरे सिंडिकेट से जुड़े लोगों के बारे में पूछताछ कर सकती है। सौरभ चंद्राकर को



ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। इसके बाद सीबीआईउसे दिल्ली से रायपुर लेकर पहुंची और बुधवार को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने गिरफ्तारी की वैधता और प्रत्यर्पण की शर्तों को लेकर सवाल उठाए थे। वहीं, सीबीआई ने रिमांड की मांग करते हुए पूछताछ की जरूरत बताई थी। अब अदालत से रिमांड और दिल्ली मुख्यालय ले जाने की अनुमति मिलने के बाद सीबीआई की टीम उससे विस्तार से पूछताछ करेगी। सीबीआईमुख्यालय में यह पूछताछ सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में की जाएगी। कोर्ट ने पूछताछ के दौरान सौरभ चंद्राकर को शाम के समय अपने वकील से मुलाकात करने की अनुमति भी दी है। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय ने भी सौरभ चंद्राकर की कस्टडी हासिल करने के लिए अदालत में आवेदन लगाया है। ऐसे में सीबीआई की पूछताछ के बाद ED की ओर से भी उसकी कस्टडी मांगे जाने की प्रक्रिया अहम हो सकती है।

सौरभ चंद्राकर के बाद उसका करीबी रवि उप्पल भी दुबई में गिरफ्तार

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में जांच एजेंसियों का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद अब उसके करीबी साथी और कारोबारी पार्टनर रवि उप्पल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, रवि उप्पल की गिरफ्तारी दुबई में हुई है। महादेव सट्टा एप मामले में रवि उप्पल की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब जांच एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े वित्तीय लेनदेन, हवाला कारोबार और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही हैं। रवि उप्पल को इस पूरे नेटवर्क का सह-संस्थापक और सौरभ चंद्राकर का प्रमुख सहयोगी बताया जाता है।



इधर पुलिस कर रही तलाश

उधर गुजराती थाली का आनंद ले रहे है जोगी...!

रायपुर। 'ज्ञानु और जानू' वीडियो के साथ वायरल हो रहे जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के नेता अमित जोगी को एक तरफ मामले में पूछताछ के लिए रायपुर पुलिस तलाश कर रही है, वहीं प्रदेश में कोसो दूर गुजरात के सूरत शहर में अमित जोगी गुजराती थाली का आनंद लेते हुए, फेटो सोशल मीडिया में शेयर कर रहे हैं. बता दें कथित आपत्तिजनक वीडियो के सोशल मीडिया में आने के बाद भाजपा के नेताओं ने जनता कांग्रेस के नेता अमित जोगी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था. इस पर रायपुर की सिविल लाइंस पुलिस ने धारा 196, 352, 353(2), 356



(2) बीएनएस एवं आईटी एक्ट के तहत मामले दर्ज कर जांच में जुट गई है. मामले में पूछताछ में शामिल होने के लिए जोगी निवास के बाहर नोटिस चस्पा भी कर दिया है. सोशल मीडिया में बवाल कटने के बाद हालांकि, अमित जोगी ने माफी मांगते हुए अपना पोस्ट डिलिट कर दिया है।

दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव शुभारंभ कार्यक्रम में युवाओं ने बिखेरी प्रतिभा की चमक

लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला सहित विभिन्न विधाओं में युवाओं ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

मूक पत्रिका



सक्ती: युवाओं की प्रतिभा, संस्कृति और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज सेजेस स्कूल सक्ती में दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का शुभारंभ किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव में लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला सहित विभिन्न विधाओं में युवाओं ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर टिकेश्वर गबेल, अभिषेक शर्मा, श्वितरंजय पटेल, अपर कलेक्टर के एस पैकरा, डिप्टी कलेक्टर प्रीतेश सिंह राजपूत, हरि पटेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे। युवा महोत्सव के अंतर्गत विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज और पारंपरिक वेशभूषा सहित विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने युवाओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें अपनी रचनात्मकता और कौशल के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

लखनपुर में युवक की हत्या का खुलासा, दो चचेरे भाई गिरफ्तार

बुआ को गाली देने पर हुआ विवाद, मारपीट के बाद लोहे की छेनी से सिर पर किया वार



सरगुजा । जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रजपुरीकला के टिकरापारा में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों आरोपी मृतक के चचेरे भाई हैं। शराब पीने के दौरान बुआ के साथ गाली-गलौज करने को लेकर हुए विवाद में आरोपियों ने युवक की बेरहमी से पिटाई की और लोहे की छेनी से उसके सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से युवक की मौत हो गई थी।

पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर की सुबह ग्राम रजपुरीकला के टिकरापारा में अंगद राम चौधरी का शव उसके घर के आंगन में खून से लथपथ हालत में मिला था। घटना की सूचना मिलने पर लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को मृतक के पड़ोस में रहने वाले उसके दो चचेरे भाइयों पर संदेह हुआ। पुलिस ने मुकेश चौधरी (23 वर्ष), पिता श्यामलाल चौधरी और धर्मेंद्र चौधरी (26 वर्ष), पिता स्व. चंदन राम चौधरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि 2 नवंबर की शाम अंगद राम चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी के घर में शराब पी रहा था। इस दौरान धर्मेंद्र का चचेरा भाई मुकेश भी मौजूद था। शराब सेवन के दौरान अंगद राम ने धर्मेंद्र की बुआ श्याम बाई के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। दोनों भाइयों ने उसे ऐसा करने से मना किया, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद दोनों आरोपी उसे समझाकर घर से बाहर निकले। घर से निकलने के बाद भी अंगद राम गाली-गलौज करता रहा। इससे नाराज होकर दोनों भाइयों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान मुकेश चौधरी ने घर में रखी लोहे की छेनी से अंगद राम के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उसकी मौत हो गई।पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बेमेतरा में भारत निर्वाचन आयोग निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता 2 से 20 नवंबर तक, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

मूक पत्रिका

बेमेतरा/ भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देश पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, बेमेतरा ने जिले में निर्वाचन साक्षरता क्लबों (ELCs) में प्रतियोगिताएं आयोजित करने का आदेश जारी किया है।जिला शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेशानुसार जिले के सभी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में 02 से 20 नवंबर 2026 तक निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।दो विषयों पर होगी प्रतियोगिता -निबंध प्रतियोगिता ÷शुद्ध मतदाता सूची का महत्व÷ और ÷मतदान का महत्व÷ विषय पर होगी। स्कूल स्तर पर 500-800 शब्द और कॉलेज स्तर पर 800-1200 शब्द की सीमा तय की गई है। क्विज प्रतियोगिता मतदाता सूची, EVM-VVPAT, मतदान और मतगणना प्रक्रिया पर आधारित होगी।

तीन स्तरों में होगा आयोजन

संस्थान स्तर (2-7 नवंबर): प्रत्येक संस्था से 2 उत्कृष्ट छात्र चयनित होंगे। विधानसभा स्तर (10-13 नवंबर): विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता होगी, प्रति विधानसभा से 10 छात्र चुने जाएंगे। जिला स्तर (16-18 नवंबर): जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा फाइनल आयोजित कर जिले के अंतिम शीर्ष 10 विजेताओं का चयन किया जाएगा। विजेताओं की घोषणा और प्रमाण पत्र वितरण 20 नवंबर तक किया जाएगा। चयन के लिए शिक्षाविदों की समिति गठित की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रतियोगिताओं की फोटो/वीडियो सोशल मीडिया पर #ELCCompetition2026 हैशटैग के साथ @ECISVEEP और @CEOChhattisgarh को टैग कर पोस्ट की जाए।

मुख्यमंत्री की न्योता भोजन पहल से बढ़ रही जनभागीदारी, शिक्षिका ने बच्चों को कराया न्योता भोजन, विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा कर जताया स्नेह



सूरजपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रदेश में संचालित न्योता भोजन कार्यक्रम विद्यालयों में जनभागीदारी और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लोग विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा कर रहे हैं। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला खालपारा में शिक्षिका श्रीमती उर्मिला सिंह ने बच्चों के लिए न्योता भोजन का आयोजन किया। इस अवसर पर शिक्षिका उर्मिला सिंह ने विद्यार्थियों को विशेष भोजन कराया और उनके साथ समय बिताकर स्नेह एवं अपनत्व का भाव प्रकट किया। बच्चों के साथ खुशियां साझा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के कारण उन्हें शासन से वेतन प्राप्त होता रहा है, उनके लिए कुछ विशेष कर पाने से उन्हें बेहद खुशी महसूस हो रही है। श्रीमती सिंह ने कहा कि शासन की न्योता भोजन योजना एक सराहनीय एवं अभिनव पहल है। इसके माध्यम से शिक्षक, जनप्रतिनिधि और समाज के अन्य लोग अपने विशेष अवसरों की खुशियां विद्यार्थियों के साथ साझा कर सकते हैं। यह पहल बच्चों के प्रति स्नेह और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती है। न्योता भोजन कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को पौष्टिक एवं अतिरिक्त भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही विद्यालय और समुदाय के बीच आपसी सहयोग एवं सहभागिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे विद्यालयों में सकारात्मक वातावरण निर्मित हो रहा है तथा बच्चों के प्रति समाज की जिम्मेदारी भी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू किए गए न्योता भोजन कार्यक्रम से प्रदेश में लगातार लोग जुड़ रहे हैं। सूरजपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं समुदाय के सहयोग से विशेष अवसरों पर न्योता भोजन का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल शिक्षा के साथ सामाजिक सहभागिता को जोड़ते हुए विद्यार्थियों के जीवन में खुशियां भरने और विद्यालयों को समुदाय से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

प्रधानाध्यापिका शत्रुपा बैनर्जी ने जन्मदिवस पर विद्यार्थियों को कराया न्योता भोज

मूक पत्रिका



बेमेतरा – शासकीय प्राथमिक शाला पेंड्री, संकुल केंद्र कुसमी, विकासखंड बेमेतरा में प्रधानाध्यापिका श्रीमती शत्रुपा बैनर्जी ने अपने जन्मदिवस के शुभ अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए न्योता भोज का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को आमंत्रित कर अपने जन्मदिन की खुशियां उनके साथ साझा कीं। न्योता भोज में विद्यार्थियों को पूरी, सब्जी, सेवई, मीठा चावल, दाल, पत्तागोभी सहित विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भोजन ग्रहण किया और इस आयोजन का आनंद लिया।कार्यक्रम में विद्यालय की सहायक शिक्षिकाएं स्नेहलता साहू एवं हेमलता साहू, रसोइया ज्योति कौशले एवं बसंती जांगड़े, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लक्ष्मी जोशी, सहायिका मुन्नी चक्रधारी, ग्रामीण एवं पालकगण, जानकी गर्ग, मनोज कुमार गर्ग तथा स्वच्छता मित्र सहित विद्यालय में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में बालिकाओं ने पारंपरिक सुवा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। प्रधानाध्यापिका द्वारा जन्मदिवस के अवसर पर बच्चों के साथ खुशियां बांटने की इस पहल को विद्यालय परिवार एवं उपस्थित लोगों ने सराहनीय बताया।

इस आयोजन ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरने के साथ आपसी स्नेह, अपनत्व और सामुदायिक सहभागिता का सुंदर संदेश दिया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में रामानुजनगर के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, दो वैज्ञानिक परियोजनाओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन



सूरजपुर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया है। विद्यार्थियों की दो वैज्ञानिक परियोजनाओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। सीनियर एवं जूनियर वर्ग में चयनित विद्यार्थी अब राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के निर्देशानुसार सेजेस विश्रामपुर में आयोजित प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार' रहा।सीनियर वर्ग में कक्षा 12वीं के शिवम ठाकुर एवं कक्षा 11वीं के राकेश कुमार यादव की परियोजना 'विद्यालयों में पांच सूत्रीय पद्धति के माध्यम से सतत कागज प्रबंधन' का चयन हुआ। इसमें कागज का कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनर्प्राप्ति, पुनर्रचना एवं पुनर्चक्रण के माध्यम से कागज अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जोर दिया गया।वहीं जूनियर वर्ग में कक्षा 9वीं के अंशु सिंह एवं कृष्णा सिंह की परियोजना 'परंपरा से सतत जीवन की ओर' चयनित हुई। इसमें ग्रामीण समुदायों के पारंपरिक बांस संबंधी ज्ञान, उसके विविध उपयोग, आजीविका में योगदान तथा सतत विकास की संभावनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किया गया।दोनों परियोजनाओं के मार्गदर्शक शिक्षक व्याख्याता गोपाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा एवं अनुसंधान की भावना विकसित करना है। संस्था के प्राचार्य पी.सी. सोनी ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

अबूझमाड़ की धरती से लोकतंत्र का संदेश, नारायणपुर में हजारों कार्यकर्ताओं ने निकाली पदयात्रा

लोकतंत्र के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब, हजारों की पदयात्रा में गूंजा 'मोदी कहीं नहीं जाएगा' का नारा

मंत्री केदार कश्यप ने कहा – अबूझमाड़ का विश्वास लोकतंत्र के साथ, जनता की आस्था ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत

मूक पत्रिका



नारायणपुर। लोकतंत्र के प्रति जनविश्वास और संवैधानिक मूल्यों के समर्थन का संदेश लेकर बुधवार को नारायणपुर में भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई के नेतृत्व में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत विशाल जनसभा और पदयात्रा आयोजित की गई। साप्ताहिक बाजार स्थित डोम में आयोजित सभा के बाद हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक हाथों में भाजपा के झंडे तथा लोकतंत्र के संदेश वाली तख्तियां लेकर नगर के प्रमुख मार्गों पर निकले। पदयात्रा के दौरान डीजे की धुन पर 'मोदी कहीं नहीं जाएगा' गीत गूंजता रहा। पदयात्रा का समापन जिला भाजपा कार्यालय में हुआ।

अबूझमाड़ की पहचान शांति, सद्भाव और लोकतांत्रिक विश्वास : केदार कश्यप–सभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप ने कहा कि अबूझमाड़ और नारायणपुर की पहचान शांति, सद्भाव और आपसी विश्वास की रही है। यहां की जनता का लोकतंत्र के प्रति विश्वास अटूट है। अबूझमाड़ का विश्वास लोकतंत्र के साथ है और यही विश्वास हमारी सामाजिक एकता तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था का प्रतीक है। लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अधिकार, सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आधार है।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी में निहित है। राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी पहलों एवं विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनभागीदारी और जनता का विश्वास सर्वोपरि है। उन्होंने कांग्रेस एवं विपक्षी दलों की भूमिका और एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे विरोध के संदर्भ में भी अपनी बात रखी।

जागरूक नागरिक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत : यशवंत जैन–भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं बस्तर संभाग प्रभारी यशवंत जैन ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों की भागीदारी और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान से सुनिश्चित होती है। लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के अधिकारों, कर्तव्यों और जनभागीदारी से संचालित होने वाली व्यवस्था है।

उन्होंने कहा कि जब समाज का प्रत्येक वर्ग लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनता है, तभी लोकतांत्रिक परंपराएं मजबूत होती हैं। लोकतंत्र की रक्षा और संवैधानिक व्यवस्था के सम्मान का दायित्व केवल राजनीतिक दलों का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है।भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती संध्या पवार ने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध है। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पदयात्रा संयोजक नारायण मरकाम ने अभियान के उद्देश्य को जनजागरण और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जनभागीदारी से जोड़ा।

जनसभा के बाद सड़कों पर उतरा जनसमूह–सभा के पश्चात डोम से निकली पदयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। हाथों में झंडे और तख्तियां लिए कार्यकर्ताओं की भागीदारी के बीच पूरे मार्ग में लोकतंत्र से जुड़े संदेश और नारे सुनाई दिए। डीजे पर बजते 'मोदी कहीं नहीं जाएगा' गीत के बीच पदयात्रा जिला भाजपा कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। आयोजन के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, जनभागीदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों की रही मौजूदगी–इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी सुधीर पांडेय, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री इंद्रप्रसाद बघेल, बृजमोहन देवांगन, गौतम गोलछा, श्रीमती रमशीला नाग, संदीप कुमार झा, पंकज जैन, संतनाथ उसेंडी, प्रताप मंडावी, श्रीमती पिंकी उसेंडी, श्री नरेश कोर्राम, जयप्रकाश शर्मा, श्री प्रेमनाथ उसेंडी, प्रशांत सिंह,मंगदूराम नूरेटी, चैतराम कुमेटी, श्रीमती संगीता जैन, नानू नाग, कमल कोर्राम, लक्ष्मण साहू, मोती वड्डे, कमलजीत सिंह आहुजा, प्रभुलाल दुग्गा, जगन्नाथ यादव, सुकमन कचलाम,सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल पदाधिकारी एवं मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राज्योत्सव में 'आयुष कल्पवृक्ष' बना आकर्षण का केंद्र नारी स्वास्थ्य एवं आयुष योजनाओं की दी जानकारी, 956 मरीजों को मिला निःशुल्क चिकित्सा लाभ



बिलासपुर। जिला स्तरीय राज्योत्सव के अवसर पर पुलिस ग्राउंड में आयुष विभाग द्वारा 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागरूकता प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ. यशपाल सिंह ध्रुव के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में महिला स्वास्थ्य, पोषण, मातृत्व संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में कुल 956 मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा लाभ मिला। इनमें आयुर्वेद के 506, होम्योपैथी के 270 एवं यूनानी चिकित्सा के 180 मरीज शामिल थे। शिविर में चिकित्सा एवं योग परामर्श के साथ आयुष काढ़े का वितरण किया गया। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण 'आयुष कल्पवृक्ष' रहा। इसके माध्यम से सुप्रजा योजना, गर्भ संस्कार, पोषण अभियान, वयोमित्र, एनसीडी, ऑस्टियोआर्थराइटिस एवं कारुण्य प्रशामक देखभाल की जानकारी दी गई। नवदुर्गा के नौ स्वरूपों से संबंधित औषधीय पौधे प्रदर्शित किए गए। लक्ष्मी तरु के सीड बॉल वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही 25 से 30 महिलाओं को आयुष स्वास्थ्य एवं आरोग्य किट प्रदान की गईं। महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया। आयोजन का समन्वय नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि जितपुरे ने किया। विभाग के चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग दिया।

ऑपरेशन बाज के तहत बिल्हा पुलिस की कार्रवाई, पांच स्थायी वारंटी गिरफ्तार

बिलासपुर। फरार स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन बाज के तहत बिल्हा पुलिस ने पांच स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पकड़े गए वारंटी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बच रहे थे। पुलिस के अनुसार, तीन सप्ताह के भीतर थाना बिल्हा पुलिस अब तक कुल 19 स्थायी वारंटों की तामिली कर चुकी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को ऑपरेशन बाज के तहत स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह और नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा राजेश जोशी के मार्गदर्शन में बिल्हा थाना प्रभारी ने विशेष टीम गठित कर फरार वारंटियों की तलाश शुरू की। इस दौरान पुलिस ने सूचना तंत्र को सक्रिय कर लंबे समय से फरार चल रहे पांच स्थायी वारंटियों का पता लगाया। इनमें हत्या और विद्युत अधिनियम से जुड़े मामलों के आरोपी भी शामिल हैं। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर 2 नवंबर को न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तार स्थायी वारंटियों में परमेश्वर यादव (35 वर्ष), निवासी सारधा थाना चकरभाठा, लक्ष्मीनारायण जोशी (22 वर्ष), निवासी बरतोरी थाना बिल्हा, मिलन प्रसाद (45 वर्ष), निवासी बिटकुली थाना बिल्हा, नारायण राजपूत (20 वर्ष), निवासी उमरिया थाना बिल्हा और संतोष डहरिया (32 वर्ष), निवासी दौना थाना पथरिया, जिला मुंगेली शामिल हैं।

बिल्हा पुलिस की कार्रवाई, बिना रॉयल्टी दस्तावेज के काला पत्थर परिवहन करते चार माजदा वाहन जब्त

बिलासपुर। बिल्हा पुलिस ने अवैध खनिज परिवहन के संदेह में कार्रवाई करते हुए काला पत्थर (फर्श) से लदे चार माजदा वाहनों को जब्त किया है। वाहन चालकों से खनिज परिवहन से संबंधित रॉयल्टी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने चारों वाहनों और उनमें लोड खनिज को जब्त कर चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर को स्थायी वारंटियों की पतासाजी के दौरान बिल्हा पुलिस की टीम झाल मोड़ के पास पहुंची थी। इसी दौरान चार माजदा वाहनों में काला पत्थर (फर्श) का परिवहन होते दिखाई दिया। पुलिस ने वाहनों को रोककर चालकों से पूछताछ की और खनिज परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे।

दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने वाहनों को जब्त कर थाने लाया।

जब्त वाहनों में माजदा क्रमांक छ्त्र06र्त 0571, छ्त्र06त्रक्त 3023, छ्त्र04रूरू 1351 और छ्त्र04क्क्ङ्ग 8189 शामिल हैं। पुलिस ने चारों चालकों के विरुद्ध अलग-अलग इस्तगासा तैयार कर धारा 106 बीएनएसएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

इस मामले में हिलेश यादव (23 वर्ष), निवासी बिरकोनी, दुर्गेश यादव (23 वर्ष), निवासी महासमुंद, मनीराम यादव (23 वर्ष), निवासी बरबसपुर और डाहरू यादव (35 वर्ष), निवासी बिरकोनी, जिला महासमुंद के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय साहू, प्रधान आरक्षक अनिल बंजारे, आरक्षक संतोष मरकाम और अर्जुन जांगड़े का विशेष योगदान रहा।

रायपुर जिले में उचित मूल्य दुकानों से शक्क र की आपूर्ति एवं वितरण जारी

रायपुर। रायपुर जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में शक्कर की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है। जिला प्रशासन और खाद्य विभाग द्वारा जिले में शक्कर की आपूर्ति व वितरण प्रक्रिया पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है, ताकि पात्र हितग्राहियों को तय व्यवस्था के अनुरूप समय पर राशन सामग्री प्राप्त हो सके और किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

खाद्य विभाग के जिला कार्यालय स्थित खाद्य शाखा द्वारा जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में शक्कर के स्टॉक, उपलब्धता और वितरण की स्थिति की सतत समीक्षा की जा रही है। इस बीच, कुछ माध्यमों में जिले में शक्कर की आपूर्ति पूरी तरह बंद होने संबंधी भ्रामक खबरें प्रसारित की जा रही हैं,

पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

आत्मविश्वास और परिश्रम से बनाएं अपनी पहचान,समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं युवा

■ 24 हजार 800 विद्यार्थियों को उपाधियां एवं डिप्लोमा प्रदान किए गए



बिलासपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि युवा आत्मविश्वास, निरंतर प्रयास और अपनी विशिष्ट प्रतिभा के बल पर जीवन में आगे बढ़ें। असफलता से घबराने के बजाय उसके कारणों को समझें और गलतियों से सीखकर पुन: प्रयास करें। शिक्षा का उपयोग व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी होना चाहिए। राज्यपाल आज पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर के सप्तम दीक्षांत समारोह को अध्यक्षीय आसंदी से संबोधित कर रहे थे। समारोह में पिछले पांच वर्षों के 24 हजार 800 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा की उपाधियां प्रदान की गईं। समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक धरमलाल कौशिक एवं सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा, नेक अध्यक्ष नागेश्वर राव, विश्वविद्यालय के कुलपति वीरेंद्र कुमार सारस्वत तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उन्नत आधिकारिक वेबसाइट का लोकार्पण और स्मारिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से एकलव्य विद्यालय देवपहरी के 311 विद्यार्थियों को बैग, स्वेटर, टिफिन एवं पानी की बोतलें वितरित की गईं। राज्यपाल श्री डेका ने उपाधि एवं पदक प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियों में अभिभावकों, गुरुजनों और शिक्षण संस्थानों का महत्वपूर्ण योगदान है। दीक्षांत समारोह जीवन में नई ऊर्जा और नई जिम्मेदारियों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ क्षेत्रों तक ज्ञान पहुंचाने और शिक्षा के अवसरों का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने ज्ञान तक पहुंच आसान बनाई है। युवाओं को इन साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए अपनी विचारशक्ति और रचनात्मक क्षमता को विकसित करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आज रोजगार और आजीविका के अनेक नए क्षेत्र उपलब्ध हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता पहचानकर पूरी मेहनत से आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में अपना स्थान स्वयं बनाना पड़ता है। दूसरों की नकल अथवा तुलना करने के बजाय अपनी विशिष्टता पर विश्वास रखें। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों पर अपनी अपेक्षाएं थोपने के बजाय उनकी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने में सहयोग दें। श्री डेका ने जीवन में आंतरिक संतुष्टि, संतुलन और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की आवश्यकता बताई। उन्होंने डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचने और अपने समय का सार्थक कार्यों में उपयोग करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पौधे लगाने और उनकी देखभाल जैसे कार्यों से समाज में बदलाव ला सकता है। जीवन में ऐसा कार्य अवश्य करें, जिसका उद्देश्य केवल लेन-देन नहीं, बल्कि सकारात्मक परिवर्तन हो। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने उपाधि एवं पदक प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के उत्थान में करें। स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक पंडित सुंदरलाल शर्मा के नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय उन लोगों के सपनों को साकार कर रहा है, जो कामकाज अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण नियमित अध्ययन नहीं कर पाते। उन्होंने विश्वविद्यालय को नैक की 'ए प्लस' ग्रेडिंग मिलने पर बधाई दी और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे बढ़ाने तथा शिक्षा की पहुंच बढ़ाने में विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

15वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बैंड प्रतियोगिता का बिलासपुर में भव्य शुभारंभ



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के एन.ई. इंस्टीट्यूट रेलवे ग्राउंड में आज 15वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) बैंड प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। बिलासपुर को लगातार चौथी बार इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बैंड की मधुर धुनों, आकर्षक प्रस्तुतियों और प्रतिभागियों के शानदार तालमेल ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री मुनव्वर खुर्शीद, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री मोहम्मद साकिब, उप महानिरीक्षक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेसुब, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, बिलासपुर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बल सदस्य उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रीय रेलों की रेलवे सुरक्षा बल की कुल 14 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें 200 से अधिक प्रतिभागी अपनी बैंड वादन कला, अनुशासन, संगीत कौशल एवं सामूहिक तालमेल का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन 27वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता-2026 में भागीदारी के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता के निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन के लिए विभिन्न अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त अधिकारियों को निर्णायक मंडल में शामिल किया गया है। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागी टीमों के प्रदर्शन, वादन कौशल, अनुशासन एवं समन्वय के आधार पर श्रेष्ठ टीमों का चयन किया जाएगा।

जल बचाएं थीम पर स्टेशनों में जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से दिया गया संदेश

■ पानी का सदुयोग करने के लिए रेलकर्मियों, सफाई मित्रों एवं यात्रियों को किया गया प्रेरित



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा 01 से 07 नवम्बर 2026 तक आयोजित 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में 'मिशन लाइफ' के तहत सप्ताह के दौरान विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 03 नवम्बर को 'जल बचाएं' थीम के अंतर्गत बिलासपुर मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों पर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत रेलवे कर्मचारियों, सफाई मित्रों एवं यात्रियों को जल की अनावश्यक खपत रोकने तथा जल का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करने के लिए प्रेरित गया। मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर वाणिज्य विभाग व चिकित्सा विभाग के पर्यवेक्षकों द्वारा कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को संयुक्त रूप से जल संरक्षण एवं जल के सदुपयोग की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही रेलवे स्टेशनों के आसपास एवं परिसर में स्थित वाटर बूथ, ट्यूबवेल तथा अन्य जल स्रोतों का निरीक्षण किया गया और उनकी नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छता सुनिश्चित की गई। रेलवे कॉलोनियों में जलापूर्ति के लिए स्थापित फिल्टर हाउस एवं वाटर स्टोरेज टैंकों का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही, जल की गुणवत्ता का परीक्षण करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों से जल के नमूने एकत्रित किए गए।

एसीसी जामुल में अदाणी फाउंडेशन ने परिवारों के लिए जल सुरक्षा बहाल की

जामुल : एसीसी , भारत की अग्रणी सीमेंट एवं निर्माण सामग्री कंपनियों में से एक और विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो के साथ मिलकर जामुल, छत्तीसगढ़ में स्थानीय जल सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का समाधान कर आवश्यक सामुदायिक बुनियादी ढांचे तक पहुंच को मजबूत कर रही है। वर्षों से जामुल नगर निगम के वार्ड नंबर 8 स्थित एसीसी लेबर कॉलोनी के निवासी पेयजल की गंभीर कमी का सामना कर रहे थे। हर गर्मी में इलाके का बोरवेल सूख जाता था, जिससे परिवारों को अपनी दैनिक घरेलू जरूरतों के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था या दूरस्थ स्थानों से पानी लाना पड़ता था। इस समस्या का विशेष रूप से महिलाओं और बुजुर्गों पर अधिक प्रभाव पड़ता था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अदाणी फाउंडेशन ने बंद पड़े बोरवेल को पुन: चालू किया और एक सबमर्सिबल पंप स्थापित किया, जिससे अनुपयोगी जल स्रोत को समुदाय के लिए पेयजल के एक विश्वसनीय स्रोत में बदल दिया गया। इस पहल से अब वार्ड 8, 10 और 13 के लगभग 50 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। विशेष रूप से गर्मियों के महीनों में, जब पानी की कमी सबसे गंभीर हो जाती है, परिवारों को सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे निवासियों की टैंकरों और दूरस्थ जल स्रोतों पर निर्भरता कम हुई है और उनके दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ी है।

मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन ने 10 संरक्षा प्रहरियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित...

■ सतर्कता एवं सजगता से संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने तथा संरक्षित रेल परिचालन में दिया महत्वपूर्ण योगदान



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में संरक्षित रेल परिचालन के प्रति सतर्कता, सजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटनाओं को टालने वाले मंडल के 10 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित रेलकर्मियों में श्री राकेश कुमार चौरसिया (सहायक लोको पायलट), श्री पी.एस. राव (ट्रेन मैनेजर), श्री प्रफुल्ल रंजन कुमार (छ्वश्व/क्क्ङ्ङ्ड4), श्री अरुण कुमार (वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर), श्रीमती प्रेमलता (सहायक/ष्ट×ङ्क), श्री दिलीप कुमार बर्मन (स्टेशन मास्टर), श्री अनुराग कुमार गुप्ता , श्री जयराम कुमार (सहायक लोको पायलट), श्री एस.के. पाठक (गेटमैन क्र्य-69) एवं श्री विनोद कुमार (वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर) शामिल हैं। इन रेलकर्मियों ने विगत दिनों ड्यूटी के दौरान असामान्य परिस्थितियों एवं संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर सराहनीय कार्य किए। इनमें छ्वष्टक्र के अचानक ट्रैक पर आने पर इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को दुर्घटना से बचाना, ब्रेक वैन से धुआं एवं हॉट एक्सल की पहचान, रेल फ्रैक्चर देखना, वैगन में टूटे कंट्रोल रॉड तथा लटकती हुई कंट्रोल रॉड को देखना, चक्का टूटने की सूचना देना, ट्रेन में गंभीर ब्रेक बाइंडिंग की पहचान करना तथा ट्रांसफार्मर में आग लगने की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देना जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही मॉक ड्रिल में भी सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ सराहनीय योगदान दिया गया। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने सभी संरक्षा प्रहरियों को पुरस्कार प्रदान कर उनकी सराहना की।

शादी का झांसा देकर 8 साल तक महिला का शोषण किया

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में शादी का झांसा देकर एक महिला का आठ साल तक दैहिक शोषण करने के आरोप में पुलिस ने 45 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले करीब डेढ़ महीने से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर थाना अजाक (कोरिया) में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 12/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (व्व्हस्) की धारा 69 और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(1) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर करीब आठ वर्षों तक महिला का शोषण किया। मामले में 14 सितंबर 2026 को आखिरी घटना ह सामने आई थी। इसके बाद से आरोपी फरार था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोरिया पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। उप पुलिस अधीक्षक नेलशन कुजूर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार पतासाजी के बाद पुलिस ने 29 अक्टूबर 2026 को जांजगीर जिले के शिवरीनारायण में दबिश देकर आरोपी अरुण कुमार साहू (45), पिता बुल्लू राम साद, निवासी ग्राम खोरसी, थाना शिवरीनारायण को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक शिव कुमार मिंज, आरक्षक भानु प्रताप और चालक आरक्षक अनुज बखला की भूमिका रही। कोरिया पुलिस ने महिला संबंधी अपराधों के मामलों में त्वरित कार्रवाई के तहत यह गिरफ्तारी की है।

प्रारूप-एक
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं सुरजा साहू पिता श्री झड़ी राम साहू, पति मन्नू लाल साहू उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम ढोलिया तह. बेमेतरा जिला बेमेतरा छ. ग. ने अपना नाम सुरजा साहू से बदलकर सुरुज बाई साहू रख लिया है।

सुरज
हस्ताक्षर
(पुराने नाम से)

प्रारूप-एक
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं राम साहू पिता श्री दुखहरण साहू उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम ढोलिया तह. बेमेतरा जिला बेमेतरा छ.ग. ने अपना नाम राम साहू से बदलकर राजू राम साहू रख लिया है।

राम साहू
हस्ताक्षर
(पुराने नाम से)

प्रारूप-एक
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना
नाबालिग पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में
(अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं लक्ष्मण पिता भागवत आयु 42 वर्ष, (माता/पिता / पालक का नाम) जाति तेली निवासी ग्राम जांता, पोस्ट ओडिया, तहसील दाढ़ी, जिला बेमेतरा (छ.ग.) राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम उमेश्वरी (UMESWARI) (पुराना नाम) से बदल कर राधा (RADHA) (नया नाम) रख लिया है ।

राधा (RADHA)
(ना. बा.) की ओर से
अभिभावक / पिता / माता
नाम- लक्ष्मण

न्यायालय: मोहित सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्टेट, बेमेतरा जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

/ / ईश्तहार //
क्र. / Q / सीजेएम / बेमेतरा / 2026 बेमेतरा, दिनांक 28/10/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लीलाधर देवांगन पिता मोहन देवांगन, उम्र 52 वर्ष, साकिन करेली, पोस्ट गोड़गिरी, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा (छ.ग.) के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष अपनी माता बेदिन बाई का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने हेतु पेश किया गया है। जिनका मृत्यु दिनाँक 13. 07.2016 को होना बताया गया है ।

उक्त आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 28/11/26 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 28/10/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

(मोहित सिंह)
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.)
मुहर

संपादकीय

विधान परिषद चुनावों से मिले नतीजों से आगामी विधान सभा चुनावों के नतीजों का अनुमान बेमानी

चार राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक व महाराष्ट्र की विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनावों से मिले नतीजों से यह सन्देश जा रहा है कि जिस राज्य में जिस भी पार्टी या गठबन्धन की सरकार है, लोगों में उसके प्रति अनमनापन है, विशेषकर पढ़े-लिखे समाज में। इन चुनाव में केवल स्नातक शिक्षा पास करने वाले सामान्य मतदाता व शिक्षक ही मतदान करते हैं तो उनके रुख से यह नतीजा आसानी से निकाला जा सकता है कि लोग अपने-अपने राज्यों में किये जा रहे विविध विकास कार्यों से सन्तुष्ट नहीं हैं।इसके साथ राष्ट्रीय राजनीतिक पटल पर भी उत्तेजना का भाव देखा जा सकता है। चारों राज्यों में से सर्वाधिक 11 सीटों पर उत्तर प्रदेश में चुनाव हुए थे। इस राज्य में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार पिछले दस साल से सत्ता पर काबिज है अतः चुनाव परिणाम चौंकाने वाले बिल्कुल नहीं कहे जा सकते क्योंकि छह सीटें भाजपा ने जीती हैं और पांच सीटों पर श्री अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने विजय प्राप्त की है। यदि राजनीतिक स्तर पर सत्तारूढ़ एनडीए व विपक्षी इंडिया गठबन्धन के स्तर पर देखा जाये तो 15 सीटें एनडीए के खाते में और 13 सीटें इंडिया गठबन्धन के खाते में गई हैं।राज्यवार हिसाब किया जाये तो उत्तर प्रदेश में भाजपा को छह व समाजवादी पार्टी को पांच सीटें मिली हैं। महाराष्ट्र की पांच सीटों में से स्तारूढ़ महायुती (एनडीए) को दो व विपक्षी महाविकास अघाड़ी (इंडिया) को तीन सीटें मिली हैं। कर्नाटक में चारों सीटें एनडीए ने जीत ली हैं मगर बिहार की आठ सीटों में एनडीए को चार व चार ही निर्दलीयों समेत विपक्षी दलों को गई हैं लेकिन कर्नाटक एक मात्र ऐसा राज्य है जहां कि चार में से चार सीटें विपक्षी गठबन्धन एनडीए के खाते में गई हैं। इस राज्य में कांग्रेस की डी.के. शिवकुमार सरकार है।हालांकि कांग्रेस के चारों सीटें हार जाने से उसकी सरकार के स्थायित्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा मगर राज्य विधान परिषद में उसकी स्थिति जरूर कमजोर होगी क्योंकि 75 सदस्यीय विधान परिषद में कांग्रेस के कुल 38 सदस्य हैं जो कि बहुमत का मुहाना है। किसी भी सरकार की नैतिक विजय के लिए राज्य के दोनों सदनों में अच्छा बहुमत बहुत मायने रखता है।

अतः कर्नाटक में भाजपा ने चार में से तीन सीटें जीतकर व एक उसके सहयोगी जनता दल (एस) ने अपने पास रखकर साफ सन्देश दे दिया है कि डी.के. शिवकुमार की राह आसान नहीं है।चुनावों से यह नतीजा भी निकलता है कि अधिसंख्य शिक्षक सीटों पर भाजपा की विजय रही जबकि विपक्षी दलों का जोर स्नातक सीटों पर ज्यादा रहा। इसके अपने राजनीतिक अर्थ भी हो सकते हैं जिनका विश्लेषण राजनीतिक पंडित करते रहेंगे मगर इतना निश्चित है कि इन चुनाव परिणामों से किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता क्योंकि हर चुनाव के मुद्दे अलग-अलग होते हैं।

गौरवशाली अतीत, विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव



मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए हमारे मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्यप्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है।

वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। हमारे किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाना और खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए किसान कल्याण को लेकर राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

हम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। खेती के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त अवसर विकसित किये जा रहे हैं। हमारा संकल्प है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध भी बने। किसान की समृद्धि ही मध्यप्रदेश की समृद्धि का वास्तविक आधार है।

युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण सुविधाएं और खेल अधोसंरचना युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेंगी।हम चाहते हैं कि मध्यप्रदेश का युवा नौकरी पाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी और समाज का नेतृत्व करने वाला व्यक्तित्व भी बने।

महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हमारा मानना है कि जब महिला आत्मनिर्भर बनती है तो पूरा परिवार सशक्त होता है। इसलिए महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना हमारा संकल्प है।

आज दुनिया तेजी से तकनीक और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ रही है। मध्यप्रदेश के युवाओं के विचारों को उद्यम में बदलने के लिए स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।हमारा प्रयास है कि युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, निवेश के अवसर और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिले। कृषि तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए अपार संभावनाएं हैं।मध्यप्रदेश को नवाचार और उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा अपने नए विचारों से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

शिक्षा किसी भी समाज के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांदीपनि विद्यालयों की परिकल्पना प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।इन विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों, बेहतर अधोसंरचना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।हम चाहते हैं कि गांव और शहर के बच्चों को समान रूप से उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो।

शिक्षा के साथ संस्कार, खेल, विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिले। आज के विद्यार्थी ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निर्माता हैं। विकास के लिए शांति और सुरक्षा का वातावरण अनिवार्य है। हमारी सरकार कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रतिबद्ध है।पुलिस व्यवस्था का आधुनिकीकरण, तकनीक का उपयोग, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकताएं हैं। महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हमारा उद्देश्य ऐसा मध्यप्रदेश बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक भयमुक्त वातावरण में जीवन व्यतीत कर सके और निवेशकों तथा उद्यमियों को भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो।

सुशासन का वास्तविक अर्थ है नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान इसी भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।हमारी कोशिश है कि सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, अनावश्यक प्रशासनिक जटिलताओं को कम किया जाए और नागरिकों को अधिक सुविधा मिले। सरकार का उद्देश्य नागरिकों को परेशान करना नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करना है।जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा संकल्प है कि प्रशासन अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और जनकेंद्रित बने।

पशुपालन मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यह किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। पशुओं के स्वास्थ्य, उपचार, टीकाकरण, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और गोवंश संरक्षण को प्रोत्साहित करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। पशुपालकों को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।हमारा विश्वास है कि पशु कल्याण और पशुपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की जा सकती है।

स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।सरकारी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, चिकित्सा शिक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता भी हमारी प्राथमिकताओं में हैं। हम ऐसा स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना चाहते हैं, जहां किसी भी नागरिक को बेहतर उपचार के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ भविष्य के प्रति नई जिम्मेदारियों का बोध भी कराता है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश का निर्माण करना है। आइए, मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर हम सब मिलकर एक ऐसे प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जहां विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिले और हमारी आने वाली पीढ़ियां एक समृद्ध, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पर गर्व कर सकें।

नशा, संवेदना और बचपन : नौजवानों को निगलता नशे का जहर

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद ने कहा था हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो चरित्र का निर्माण करे, मन का बल बढ़ाए और मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा कर दे, नशा शिक्षा, चरित्र और आत्मबल तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी उसकी संवेदना और बचपन की मासूमियत है। संवेदना मनुष्य को मनुष्य बनाती है और बचपन उसके व्यक्तित्व की नींव रखता है। किंतु आज नशीले पदार्थों का बढ़ता जाल इन दोनों पर सबसे कड़ा प्रहार कर रहा है। नशा केवल शरीर को नहीं, बल्कि विवेक, करुणा, परिवार, शिक्षा, संस्कृति और भविष्य को भी नष्ट कर देता है। जिस आयु में बच्चों के हाथों में पुस्तकें और सपने होने चाहिए, वहाँ यदि नशे का जहर पहुँच जाए तो आने वाला पूरा जीवन अंधकारमय हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में ड्रग्स, सिंथेटिक नशे, हेरोइन, चरस, गांजा, अफीम तथा नशीली गोलियों का प्रसार चिंताजनक रूप से बढ़ा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा विभिन्न सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार देश में करोड़ों लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। 2019 के राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 16 करोड़ लोग शराब, 3 करोड़ से अधिक लोग भांग या गांजा तथा लगभग 2.3 करोड़ लोग ओपिओइड (अफीम, हेरोइन आदि) का सेवन करते पाए गए। इनमें बड़ी संख्या 10 से 17 वर्ष और 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की है। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में पंजाब, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा गोवा प्रमुख हैं। पंजाब में हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स का गंभीर संकट लंबे समय से चिंता का विषय है। पूर्वोत्तर के राज्यों में सीमा पार से होने वाली तस्करी ने युवाओं को प्रभावित किया है। राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी मादक पदार्थों की तस्करी लगातार बढ़ी है। महानगरों में नशीली गोलियां, कोकीन और पार्टी ड्रग्स तेजी से फैल रहे हैं। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि नशे की शुरुआत अब किशोरावस्था में ही होने लगी है। विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों, पारिवारिक विघटन, बेरोजगारी, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, गलत संगति तथा मानसिक तनाव के कारण अनेक बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। परिणामस्वरूप पढ़ाई छूट जाती है, अपराध बढ़ते हैं, हिंसा और आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित होती है तथा परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूटने लगते हैं। नशा सबसे पहले मनुष्य की संवेदना को समाप्त करता है। जो व्यक्ति कभी माता-पिता के प्रति श्रद्धावान था, वही नशे की लत में उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगता है। परिवार की जमा पूंजी नशे में समाप्त हो जाती है। अनेक युवा चोरी, लूट और अन्य अपराधों की ओर बढ़ जाते हैं। धीरे-धीरे रिश्तों की गर्माहट समाप्त होने लगती है और मनुष्य केवल नशे का दास बनकर रह जाता है।

महात्मा गांधी ने कहा था शराब और नशा मनुष्य की आत्मा का पतन कर देते हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर का संदेश था शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। यह संदेश नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए भी उतना ही आवश्यक है। नशे के विरुद्ध केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, विद्यालय, समाज, धार्मिक संस्थाएँ, मीडिया तथा शासन सभी को मिलकर कार्य करना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, खेल, साहित्य, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना, विद्यालयों में नशामुक्ति शिक्षा को अनिवार्य बनाना तथा नशे के शिकार लोगों के पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था करना समय की आवश्यकता है। सीमाओं पर तस्करी रोकने के साथ-साथ ऑनलाइन अवैध नेटवर्क पर भी कठोर कार्रवाई आवश्यक है।

यदि किसी राष्ट्र का बचपन सुरक्षित है तो उसका भविष्य भी सुरक्षित है। लेकिन यदि बचपन नशे की गिरफ्त में चला गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल आर्थिक ही नहीं, नैतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी कमजोर हो जाएँगी। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है।

वर्ष 2025-26 तक उपलब्ध सरकारी आँकड़े बताते हैं कि भारत में नशीले पदार्थों की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल संरक्षण का गंभीर संकट बन चुकी है।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का विश्वास था– यदि देश को विकसित बनाना है तो युवाओं को सही दिशा देनी होगी। इसलिए नशामुक्त बचपन केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला है। आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय, समाज, मीडिया और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों की है।

अपनी सुविधा के लिए बच्चों से जासूसी न करवाएं

बच्चा झूठ बोलना घर से ही सीखता है। माता-पिता यदि बच्चे को कहीं नहीं ले जाना चाहते और घर छोड़कर जाना चाहते हैं तो कह देते हैं डाक्टर के पास जा रहे हैं या आफिस जा रहे हैं। बच्चा उनकी यह बात सच मान लेता है और वह चुप हो जाता है और उस समय उनके साथ जाने की जिद नहीं करता। इसके अतिरिक्त जब कोई अवांछित मित्र या सम्बन्धी घर मिलने आता है या उसका फोन आता है तो घर के सदस्य कहला देते हैं कि वे घर पर नहीं हैं। यहीं से बच्चे के झूठ बोलने की ट्रेनिंग शुरू हो जाती है।

चन्द्र प्रभा सूद



छोटे बच्चों को भगवान का रूप कहा जाता है। उन बच्चों की सहजता, सरलता और भोलेपन का दुरूपयोग घर के बड़ों को किसी भी कारण से नहीं करना चाहिए। उनके बचपन को अपने स्वार्थ के लिए किसी सौदे में नहीं बदलना चाहिए। मेरे कथन पर टिप्पणी करते हुए आप लोग कह सकते हैं कि कोई भी अपने बच्चों का नाजायज उपयोग कैसे कर सकता है?

इस विषय में मेरा यही मानना है कि हम बड़े अपनी सुविधा के लिए अनजाने में ही बच्चों को गलत आदतें सिखाते हैं। घर में विद्यमान छोटे बच्चों से जासूसी जैसा घृणित कार्य बहुत से लोग करवाते हैं। वे लोग शायद यह समझते नहीं हैं या समझना नहीं चाहते कि वे कितना अनर्थ कर रहे हैं। इस विषय पर गहराई से विचार करना चाहिए।

सास-बहू ने एक-दूसरे की बुराई करते हुए क्या कहा? पति-पत्नी में से किसी एक ने दूसरे साथी के विषय में क्या कहा? ननद-भाभी में से किसने और क्या चुगली की? भाई-बहन में से किसने किसे भला-बुरा कहा? इनके अतिरिक्त और भी कई विषय हो सकते हैं जिनके लिए वे लोग जानना चाहते हैं। यह कोई बुरी बात नहीं है। परन्तु यह जानकारी जुटाने के लिए छोटे बच्चों को मोहरा बनना बिल्कुल अनुचित है।

छोटे बच्चे को विश्वास में लेकर या उसे किसी खिलौने, चाकलेट, पैसे आदि की रिश्वत देकर अथवा अनावश्यक प्यार जताकर बच्चे से कुरेद-कुरेदकर अपने मतलब की बात जानने की कोशिश लोग करते हैं। इस तरह बच्चे के मन में ताक-झाँक करके या छिपकर दूसरों की बातें सुनने की प्रवृत्ति उत्पन्न होती है।

इसी प्रकार लालच या दबाव या प्यार के ब्लैकमेल के कारण बच्चा चुगली करना सीख जाता है। इसके विपरीत उसी कारण से दूसरों की बातें छिपाने लगता है। फिर धीरे-धीरे अपने स्कूल की, अपने घर की या दोस्तों से झगड़े की अपनी गलतियाँ सबसे छिपाने में महारत हासिल कर लेता है। बहुत दुखी की बात है कि इस तरह बड़ों की महत्वाकांक्षा के कारण धीरे-धीरे बच्चा झूठ बोलने में एक्सपर्ट होने लगता है।

बच्चों को चोरी करना, दूसरे का हक छीनना भी हमीं सिखाते हैं। घर में माँ या दादी या नानी या कोई और सदस्य सबसे छिपाकर उसे खाने की या अन्य कोई चीज यह कहकर दे देते हैं कि किसी को बताना नहीं। इसका यह अर्थ हुआ कि घर के एक बच्चे को विशेष बना दिया जाता है।

कभी बच्चा अपनी बात मनवाने के लिए जिद करता है या रोता है तो घर के लोग उसकी इच्छा पूरी कर देते हैं। इस तरह हठ करके या रो-धोकर वह अपनी बात मनवाने का आदि हो जाता है। यदि उसकी बात को उसके जिद करने से पहले मान लिया जाए तो कितना ही अच्छा हो जाए।

बच्चा झूठ बोलना घर से ही सीखता है। माता-पिता यदि बच्चे को कहीं नहीं ले जाना चाहते और घर छोड़कर जाना चाहते हैं तो कह देते हैं डाक्टर के पास जा रहे हैं या आफिस जा रहे हैं। बच्चा उनकी यह बात सच मान लेता है और वह चुप हो जाता है और उस समय उनके साथ जाने की जिद नहीं करता। इसके अतिरिक्त जब कोई अवांछित मित्र या सम्बन्धी घर मिलने आता है या उसका फोन आता है तो घर के सदस्य कहला देते हैं कि वे घर पर नहीं हैं। यहीं से बच्चे के झूठ बोलने की ट्रेनिंग शुरू हो जाती है, आजन्म जिसका प्रयोग वह अपने बचाव के लिए करता है।

घर के सदस्यों का व्यवहार छोटा बच्चा बहुत बारीकी से परखता है और उसके मन में सभी सदस्यों की एक छवि अंकित हो जाती है। वह यह देखता है कि उसके माता-पिता का अपने माता-पिता, भाई-बहनों, सम्बन्धियों, मित्रों और सहकर्मियों के साथ कैसा व्यवहार है? उसी के अनुरूप ही वह भी व्यवहार करने लगता है।

बहुधा बच्चों को हम मुँहफट कह देते हैं। पर उस समय वे सच बोल रहे होते हैं। बड़े अपनी पोल खुल जाने को सहन नहीं कर पाते और बच्चों को दोषी मानकर उन्हें प्रताड़ित करते हैं। वे उस समय इस सत्य को भूल जाते हैं कि सब उन्हीं के बोए बीजों का परिणाम हैं।बच्चे बेचारे को तो पता ही नहीं होता कि वह क्या कर रहा है? हम बड़ों की साजिश ही उसे इस दलदल में धकेलने की दोषी बनती है। बड़ा होकर जब वह ये सब हरकतें करता हैं तो उसे घर के बड़े लोग डाँटते हैं, मारते हैं या सजा देते हैं पर अपने गिरेबान में झाँककर नहीं देखते।

घर छोटे बच्चे की पाठशाला होता है जहाँ पर वह जीवन का ककहरा पढ़ता है। वहीं पर वह अच्छाई और बुराई को देखता है, समझता है और सीखता है। और फिर उसकी बुद्धि के अनुसार जो उसे सरल और सुविधाजनक मार्ग लगता है उस पर बिना परिणाम की चिन्ता किए चलने लगता है। बच्चों के समक्ष अपने व्यवहार को सन्तुलित रखें ताकि उन मासूमों को दोषी ठहराने की आवश्यकता ही न पड़े।

ठंडे बस्ते से बाहर आई संजय दत्त की 'मुन्नाभाई 3'



आखिरकार 20 साल के बाद 'मुन्नाभाई 3' को लेकर हलचल फिर मच गई है। वैसे तो सालों से दर्शक राजकुमार हिरानी से फिल्म की डिमांड कर रहे हैं। अब इस फिल्म में फरहद सामजी की एंट्री भी हो गई है। चलिए 'मुन्नाभाई 3' को लेकर क्या अपडेट आया है, बताते हैं। 'मुन्नाभाई 3' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। पहला और दूसरा पार्ट सुपरहिट होने के बाद से राजकुमार हिरानी से लगातार इसके तीसरे भाग की डिमांड की जा रही है। सालों से दर्शक संजय दत्त और अरशद वारसी का सीक्वल देखना चाहते हैं। अब लेटेस्ट अपडेट मूवी से सामने आया है। दरअसल 'किसी का भाई किसी की जान' के डायरेक्टर फरहद सामजी इस प्रोजेक्ट में जुट चुके हैं। वह फिलहाल इसकी राइटिंग पर काम कर रहे हैं और फिर राजकुमार हिरानी अपने हिस्सा का काम शुरू करेंगे। वैरायटी इंडिया' के मुताबिक, राजकुमार हिरानी 'मुन्नाभाई 3' पर काम कर रहे हैं। लेकिन जबतक स्क्रिप्ट दमदार नहीं होगी, वह इसपर काम शुरू नहीं करेंगे। ऐसे में उन्होंने स्क्रिप्ट के लिए फरहद सामजी को चुना है। रिपोर्ट में तो ये भी दावा किया गया है कि फरहद सामजी जल्द ही राइटिंग के पार्ट को खत्म करेंगे। एक दमदार लेखन के साथ साल 2027 तक फिल्म फ्लोर पर भी आ सकती है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इस बारे में कोई रिएक्शन नहीं दिया है। फरहद सामजी का 'मुन्नाभाई' फ्रैंचाइजी के साथ कनेक्शन पुराना है। उन्होंने साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म का 'एम बोले तो 'का शुरुआती रिफ्रेन लिखा है।

भूमि पेडनेकर की नई हॉरर फिल्म 'जानी दुश्मन' का ऐलान

आपने कोल्ड ड्रिंक माउंटेन ड्यू का ऐड तो देखा ही होगा। आपको उसके ऐड की टैग लाइन भी याद होगी कि डर के आगे जीत है लेकिन अगले साल थिएटर्स में डर के आगे जीत नहीं बल्कि मौत होगी। भूमि पेडनेकर की हॉरर थ्रिलर फिल्म 'जानी दुश्मन: डर के आगे मौत' का ऐलान हो गया है। यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म हॉरर फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसमें डर, रहस्य और अलौकिक शक्तियों की कहानी देखने को मिलेगी।



फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ चुका है जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है।भूमि पेडनेकर ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' का पहला पोस्टर शेयर किया। वो अपना पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखती हैं, डर तो बहुत देखा होगा अब खौफ महसूस करने के लिए तैयार हो जाइए। आपके सामने प्रस्तुत है जानी दुश्मन- डर के आगे खौफ है।फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' का निर्देशन अरशद सैयद कर रहे हैं, जबकि रॉबी ग्रेवाल इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और प्रभलीन संधू की अलमाइटी मोशन पिक्चर मिलकर कर रहे हैं। इस सहयोग को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा कि अलमाइटी मोशन पिक्चर उनके भरोसेमंद क्रिएटिव पार्टनर्स में से एक है और उनकी टीम के साथ काम करना हमेशा अच्छा अनुभव रहा है। 'मेड इन इंडिया – अ टाइटन स्टोरी' सीरीज के बाद दोनों कंपनियां एक बार फिर 'जानी दुश्मन' के लिए साथ आई हैं।

'रामायण' के लिए रणबीर ने खूब बहाया पसीना

शूटिंग से सालों पहले से कर रहे मशक्कत

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' एक लंबे इंतजार और जबरदस्त बज के बाद कल 5 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। बीते मंगलवार 3 नवंबर को मुंबई में 'रामायण' की खास स्क्रीनिंग रखी गई थी और इससे पहले लॉस एंजिलेस में भी 'रामायण' का स्पेशल प्रीमियर हुआ था। इस प्रीमियर के बाद फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला। नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा ने इंटरनेशनल मीडिया के साथ खास बातचीत में फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर भी हिंट दिए। नमित मल्होत्रा ने कहा कि वो दर्शकों के रिस्पांस को देखते हुए फिल्म के तीसरे पार्ट पर फैसला लेंगे।'रामायण' के लॉस एंजिलेस में प्रीमियर के बाद से सितारों और मेकर्स



के इंटरव्यू सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। रणबीर कपूर ने भी इंटरनेशनल मीडिया से मुखातिब होते हुए फिल्म को लेकर अपनी तैयारियों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'रामायण' की शूटिंग से पहले उन्होंने सालों इसपर मेहनत की थी और खूब पसीना बहाया था।रणबीर कपूर ने रिव्यू नेशन के साथ बात करते हुए 'रामायण' की तैयारियों को लेकर डिटेल्स साझा कीं। वो कहते हैं कि फिल्म की शूटिंग से सालों पहले से वो खून-पसीना बहा रहे थे और पर्दे पर श्रीराम बनने के लिए उन्होंने खूब मशक्कत की थी। रणबीर कपूर ने खुलासा किया कि पर्दे पर श्री राम बनने के लिए उन्होंने भारत के ओलंपिक खिलाड़ी से ट्रेनिंग ली। एक्टर का कहना है कि इस भूमिका को पर्दे पर जीवंत करने के लिए उन्होंने न सिर्फ धनुष चलाने की तकनीक सीखी, बल्कि भगवान राम के व्यक्तित्व और उनके चरित्र की गहराई को समझने की भी कोशिश की। रणबीर कपूर ने बताया कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से करीब डेढ़ साल पहले उन्होंने एक भारतीय ओलंपियन के साथ ट्रेनिंग ली थी। इसके अलावा, उन्होंने न्यूयॉर्क में भी कुछ क्लासेज कीं।

'तेरा साथ है कितना प्यारा' में नजर आएंगे रघुवीर और वर्तिका चतुर्वेदी

हिंदी फीचर फिल्म तेरा साथ है कितना प्यारा का मुहूर्त समारोह और आधिकारिक पोस्टर लॉन्च 25 अक्टूबर 2026 को मुंबई में आयोजित किया गया। इस अवसर पर फिल्म की औपचारिक शुरुआत की गई। यह फिल्म संघर्ष, महत्वाकांक्षा, त्याग और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के दृढ़ संकल्प की एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करेगी।



फिल्म में रघुवीर और वर्तिका चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएँगे। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवा के जीवन पर आधारित है, जो अपने गाँव से निकलकर मुंबई जैसे बड़े शहर में अपनी पहचान बनाने का सपना लेकर आता है। इस सफर में उसे अनेक कठिनाइयों, संघर्षों और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यहाँ तक कि उसे अपने परिवार के विरोध और अस्वीकार का भी सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद वह हार नहीं मानता और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करता रहता है। तेरा साथ है कितना प्यारा केवल सफलता की कहानी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, हौसले, आत्मसम्मान और अपने सपनों के प्रति अटूट विश्वास की कहानी है। यह दर्शकों को यह संदेश देती है कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि आगे बढ़ने का जुनून हो, तो वह अपनी अलग पहचान बना सकता है। राकेश बावा एंटरटेनमेंट एवं एसएस प्रोडक्शन के बैनर तले प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन मनोज अग्रवाल कर रहे हैं, जबकि फिल्म का संगीत रवि चोपड़ा तैयार कर रहे हैं। मुख्य कलाकारों के साथ अली खान, रंजीत, एहसान कुरैशी, गरिमा अग्रवाल, गुलशन पांडे, श्याम सोनी, राकेश बावा, बनवारी झोल और बृज गोपाल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'जेलर 2' का कोहराम जारी



अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फ़िल्म बनने और दुनिया भर में 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद, रजनीकांत की 'जेलर 2' अब अपने थिएट्रिकल रन के एक अहम पड़ाव पर पहुचं गई है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी ये फिल्म तीन हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।, लेकिन दिवाली पर रिलीज होने वाली बड़ी फिल्मों के आने से इसकी स्क्रीन की संख्या और कमाई पर असर पड़ सकता है। चलिए यहां जानते हैं कि ये फिल्म रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार को कितना कलेक्शन कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'जेलर 2' ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को भारत में 8 हजार 50 शोज के जरिए लगभग 3.35 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की।

फिल्म 'प्रताप' का नया गाना 'मैं वापस आऊंगा' रिलीज

कुछ वादे ऐसे होते हैं, जो वक्त और हालात बदलने के बावजूद हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहते हैं। वे यादों, उम्मीदों और भावनाओं के जरिए हमारे साथ बने रहते हैं। इसी खूबसूरत एहसास को पर्दे पर उतारते हुए अमित साध और ईशा देओल स्टारर फिल्म 'प्रताप' के मेकर्स अपना नया गाना 'मैं वापस आऊंगा' रिलीज कर रहे हैं।

4 नवंबर, 2026 को रिलीज होने वाला यह गाना शाश्वत सिंह और प्रतिज्ञा की आवाजों से सजा है, जबकि इसका संगीत अफजलाली ने तैयार किया है। यह गाना फिल्म की कहानी में एक भावुक और दिल को छू लेने वाला पहलू जोड़ता है। यादों और उम्मीदों के बीच बुना गया 'मैं वापस आऊंगा' एक ऐसे वादे की कहानी कहता है, जो दूरियों के बावजूद दिल में जिंदा रहता है। दो दिलों के बीच जुड़े गहरे भावनात्मक रिश्ते को दर्शाता यह गाना प्यार, इंतजार और दोबारा मिलने की उम्मीद को खूबसूरती से बयां करता है। इसकी दिल को छू लेने वाली धुन दर्शकों को 'प्रताप' की दुनिया के एक निजी और भावनात्मक पहलू से रूबरू कराती है।गाने के बारे में

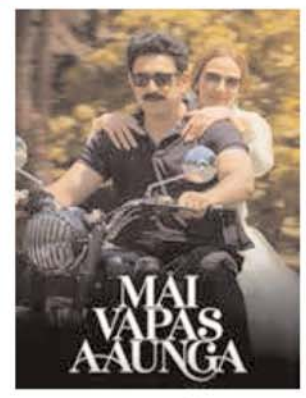

बात करते हुए एक्टर अमित साध ने कहा, 'मैं वापस आऊंगा' एक ऐसी भावना को खूबसूरती से बयां करता है, जो एक तरफ बेहद पर्सनल है, तो दूसरी तरफ हर किसी के दिल से जुड़ी हुई है।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - आज आपका आत्मविश्वास और मेहनत आपको आगे बढ़ने की ताकत देंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास करने होंगे, लेकिन ध्यान रखें कि हर काम जल्दबाजी में करना जरूरी नहीं है। मेहनत के साथ सही रणनीति अपनाएंगे, तो कम समय में बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं।

वृषभ राशि - आज दोस्तों और करीबियों के साथ समय बिताने के कई अच्छे मौके मिल सकते हैं। उनकी संगति से मन प्रसन्न रहेगा और आप रोजमर्रा की व्यस्तता से कुछ राहत महसूस करेंगे। हालांकि, आर्थिक मोर्चे पर कोई चुनौती सामने आ सकती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। आपकी व्यावहारिक सोच और समझदारी आपको सही रास्ता दिखाएगी।

मिथुन राशि - आज आपका मन घर-परिवार और सुख-सुविधाओं से जुड़ी बातों में अधिक लगेगा। अपनों के साथ समय बिताने से मन को सुकून मिलेगा और परिवार के लिए कुछ अच्छा करने की इच्छा भी प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए अपने कामकाज को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना जरूरी होगा।

कर्क राशि - आज नए लोगों से जुड़ना और अपने संपर्कों का दायरा बढ़ाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा और कार्यक्षेत्र के विस्तार के नए रास्ते भी खुल सकते हैं। भाई-बहनों और करीबी लोगों का सहयोग मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। पेशेवर जीवन में परिस्थितियां अनुकूल रहने के संकेत हैं।

सिंह राशि - आज आपकी रचनात्मक सोच और नए विचार आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकते हैं। किसी नई योजना पर काम शुरू करने या अपनी प्रतिभा को सामने लाने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण मामलों में तेजी आने से कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

कन्या राशि - आज करियर, कारोबार और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत है। किसी जल्दबाजी भरे फैसले या बिना पूरी जानकारी के किए गए निवेश से परेशानी हो सकती है, इसलिए हर निर्णय लेने से पहले उसके फायदे और नुकसान पर विचार करें।

तुला राशि- आज आपका ध्यान आर्थिक लाभ, करियर में तरक्की और नए अवसरों पर केंद्रित रहेगा। पेशेवर क्षेत्र में कोई आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकता है, इसलिए अवसरों को पहचानने और उनका सही समय पर लाभ उठाने के लिए तैयार रहें। आपकी व्यावसायिक समझ और दूरदर्शिता महत्वपूर्ण फैसलों में मदद करेगी।

वृश्चिक राशि - आज करियर और कारोबार के मामलों में आपकी स्थिति मजबूत रह सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलने से काम करने का उत्साह बढ़ेगा और किसी नए प्रस्ताव पर विचार करने का अवसर भी मिल सकता है। प्रशासन और प्रबंधन से जुड़े कार्यों को आप अपनी सूझबूझ के दम पर अच्छी तरह संभाल पाएंगे।

धनु राशि- आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का अपेक्षा से बेहतर परिणाम मिलने की संभावना है। नई तकनीक, आधुनिक तरीकों और नए विचारों को अपनाने की आपकी कोशिश कार्यक्षेत्र में लाभ दिला सकती है।

मकर राशि - आज पैसों से जुड़े मामलों में सतर्क रहना जरूरी है। किसी को उधार देने या लेने से बचें, वरना नुकसान हो सकता है। छोटी बातों को लेकर ज्यादा सोचने से आपका ध्यान जरूरी कामों से हट सकता है। खानपान में संतुलन रखें और बहुत गर्म या ठंडी चीजें खाने से बचें।

कुंभ राशि- आज का दिन कुछ मामलों में अनुकूल तो कुछ में अतिरिक्त सावधानी बरतने का संकेत दे रहा है। स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें और मौसम में बदलाव के कारण होने वाली छोटी-मोटी परेशानियों को नजरअंदाज न करें।

मीन राशि-आज टीमवर्क और आपसी सहयोग आपके लिए सफलता के नए रास्ते खोल सकते हैं। आप लोगों को साथ लेकर चलने में सफल रहेंगे और सामूहिक प्रयासों से कामकाज में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु की आराधना फलदायी

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को भगवान विष्णु की आराधना के लिए विशेष फलदायी माना गया है। इन्हीं पावन तिथियों में से एक है रमा एकादशी। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली इस एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व है। दीपावली से कुछ दिन पहले पड़ने के कारण इस व्रत का महत्व और भी बढ़ जाता है। इसे रम्भा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रमा एकादशी पर श्रद्धापूर्वक उपवास और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं साल 2026 में रमा एकादशी का व्रत किस दिन रखा जाएगा, पूजा का शुभ समय क्या है और इस दिन किस विधि से भगवान विष्णु की आराधना करनी चाहिए।

रमा एकादशी 2026 कब है?

पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 5 नवंबर 2026, गुरुवार को पड़ रही है। ऐसे में इसी दिन रमा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस अवसर पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है।



एकादशी तिथि का आरंभ- 4 नवंबर 2026, सुबह 11:03 बजे

एकादशी तिथि की समाप्ति- 5 नवंबर 2026, सुबह 10:35 बजे

व्रत पारण का समय- 5 नवंबर 2026, सुबह 10:35 बजे

रमा एकादशी की पूजा विधि

रमा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद भगवान विष्णु के समक्ष व्रत और पूजा का संकल्प लें। पूजा के लिए इन बातों का ध्यान रखें।

सबसे पहले पूजा स्थल की अच्छी तरह सफाई करें और एक चौकी पर पीले रंग का साफ कपड़ा बिछाएं। चौकी पर भगवान गणेश और श्रीहरि विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। भगवान के समक्ष दीपक जलाकर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना शुरू करें। श्रीहरि को पीले फूल, अक्षत, चंदन और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करें। भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग लगाएं। इसमें तुलसी दल अवश्य शामिल करें। इसके बाद फल, मिठाई और अन्य सात्विक पकवानों का भोग अर्पित करें। पूजा के दौरान विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और रमा एकादशी व्रत की कथा सुनें। आखिर में भगवान विष्णु और गणेश जी की आरती करें तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करें।

गोवत्स द्वादशी के दिन गायों और बछड़ों की पूजा

गोवत्स द्वादशी धनतेरस से एक दिन पहले मनाई जाती है। इसे वसु बारस, बछ बारस और नन्दिनी व्रत के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन गायों और बछड़ों की पूजा होती है। भारत के कई क्षेत्रों में गोवत्स द्वादशी के जैसा ही एक अन्य पर्व मनाया जाता है, जिसे बछ बारस के नाम से जाना जाता है। लेकिन यह पर्व गोवत्स द्वादशी से लगभग दो महीने पहले पड़ता है। इस त्योहार में भी गायों और बछड़ों की पूजा होती है। वसु बारस पर्व में गाय का दूध और उससे निर्मित पदार्थों का प्रयोग वर्जित माना जाता है। इस दिन संतान की उन्नति और दीर्घायु के लिये व्रत रखा जाता है।

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) 2026 डेट

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) का त्योहार इस साल 5 नवंबर 2026 को मनाया जाएगा। पंचांग अनुसार गोवत्स द्वादशी तिथि 5 नवंबर की सुबह 10:35 से शुरू होकर 6 नवंबर 2026 की सुबह 10:30 बजे तक रहेगी।

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) शुभ मुहूर्त 2026

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) का शुभ मुहूर्त शाम 05:33 से शुरू होकर रात 08:10 बजे तक रहेगा।

● गोवत्स द्वादशी पूजा विधि

गोवत्स द्वादशी के दिन प्रातःकाल स्नान के बाद व्रती महिलाएं गो माता और उसके बछड़े की विधिपूर्वक करें। अगर घर में गाय और बछड़ा है तो उनका शृंगार करें। अगर नहीं है तो गाय-बछड़े की मूर्ति या चित्र बनाकर उनका शृंगार करें। उनके माथे पर हल्दी-



कुमकुम लगाएं। साथ ही रोली, नैवेद्य, फल, मिष्टान्न, अक्षत, दीप, धूप आदि द्वारा विधिवत् पूजन करें। पूजा के बाद गाय और उनके बछड़ों को मीठा चारा, गुड़-चना आदि चीजें अर्पित करें। दिनभर व्रत रहें और गाय की सेवा करें। शाम में फिर से विधिवत् पूज करें और इस दौरान गोवत्स द्वादशी की कथा का श्रवण भी जरूर करें। शाम में पूजन के बाद भोजन कर लें।

धनतेरस पर ये 7 चीजें खरीदना माना जाता है शुभ

धनतेरस का त्योहार हिंदू धर्म में बेहद खास माना जाता है। दिवाली से पहले मनाया जाने वाला यह पर्व धन, आरोग्य और सुख-समृद्धि का प्रतीक है। इस दिन मां लक्ष्मी, भगवान कुबेर और भगवान धन्वंतरि की पूजा करने की परंपरा है। धनतेरस आते ही बाजारों में रौनक बढ़ जाती है और लोग सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और नए बर्तन खरीदने के लिए बाजारों का रुख करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन शुभ वस्तुएं घर लाने से परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। साल 2026 में धनतेरस का त्योहार 6 नवंबर, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस मौके पर अगर आप भी खरीदारी की तैयारी कर रहे हैं, तो जरूरी नहीं कि आपको सोना या चांदी ही खरीदना पड़े। दरअसल, हिंदू परंपराओं में कई ऐसी छोटी और उपयोगी चीजों का भी महत्व बताया गया है, जिन्हें धनतेरस पर घर लाना शुभ माना जाता है।

1. पीतल और तांबे के बर्तन

धनतेरस पर नए बर्तन खरीदने की परंपरा काफी पुरानी है। इस दिन आप पीतल की थाली, तांबे का लोटा, कलश या पूजा के बर्तन खरीद सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। आप अपनी जरूरत और बजट के अनुसार बर्तन चुन सकते हैं।

2. नई झाड़ू

धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा भी कई भारतीय परिवारों में प्रचलित है। धार्मिक मान्यताओं में झाड़ू को मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि नई झाड़ू घर की गंदगी और नकारात्मकता को दूर करने का प्रतीक है। इसलिए इस दिन नई झाड़ू खरीदकर घर लाना शुभ माना जाता है।



3. साबुत धनिया

धनतेरस पर साबुत धनिया खरीदना भी कई क्षेत्रों में शुभ माना जाता है। कुछ परिवार इसे मां लक्ष्मी की पूजा में अर्पित करते हैं और बाद में पूजा के स्थान या तिजोरी में रखते हैं। कुछ लोग इसे मिट्टी में बोकर नई फसल और समृद्धि का प्रतीक मानते हैं। यह कम बजट में की जाने वाली पारंपरिक खरीदारी है।

4. मिट्टी के दीये और पूजा सामग्री

दिवाली और धनतेरस पर मिट्टी के दीयों का विशेष महत्व है। दीपक को प्रकाश, सकारात्मकता और अंधकार पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। आप धनतेरस पर मिट्टी के दीये, रुई की बत्तियां, पूजा की थाली और दीपक जलाने के लिए तेल खरीद सकते हैं। इससे दिवाली की तैयारियां भी पूरी हो जाएंगी।

5. मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्ति

दिवाली की पूजा में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। ऐसे में धनतेरस पर नई लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति खरीदना भी शुभ माना जाता है। आप अपनी पसंद के अनुसार मिट्टी, पीतल या चांदी की मूर्ति खरीद सकते हैं। ध्यान रखें कि मूर्ति सुंदर होने के साथ पूजा के लिए उपयुक्त भी हो।

6. आयुर्वेदिक और स्वास्थ्य से जुड़ी चीजें

धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की जयंती और राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद और आरोग्य का देवता माना जाता है। इसलिए इस दिन जरूरत की आयुर्वेदिक सामग्री, औषधीय पौधे या स्वास्थ्य से जुड़ी उपयोगी चीजें खरीदने की परंपरा भी कुछ परिवारों में देखने को मिलती है।

7. गोमती चक्र और कौड़ियां

गोमती चक्र और कौड़ियों को धार्मिक मान्यताओं में शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कई लोग इन्हें धनतेरस पर खरीदकर मां लक्ष्मी की पूजा में शामिल करते हैं। पूजा के बाद इन्हें पूजा घर या तिजोरी में रखा जाता है। हालांकि, इनसे धन बढ़ने की कोई वैज्ञानिक गारंटी नहीं है, यह मुख्य रूप से धार्मिक आस्था और पारिवारिक परंपरा से जुड़ी मान्यता है।

संक्षिप्त समाचार

ओलेश्की में रूस-यूक्रेन के बीच संघर्षविराम खत्म: मेलानिया ट्रंप ने स्थायी शांति की जताई उम्मीद



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच ओलेश्की में हुए मानवीय संघर्षविराम के दौरान सहयोग के लिए दोनों देशों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पांच दिन के इस समझौते से प्रभावित क्षेत्र में जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई गई और करीब 800 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मेलानिया ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि 27 अक्तूबर को शुरू हुआ संघर्षविराम तय कार्यक्रम के अनुसार एक नवंबर को समाप्त हो गया। मेलानिया ट्रंप ने लिखा, 'संघर्षविराम समाप्त हो गया है। यह अभियान सफल रहा। इसके तहत क्षेत्र में जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई गई और करीब 800 लोगों को वहां से निकालने में मदद मिली। अमेरिका की ओर से मैं ओलेश्की संघर्षविराम के दौरान नेतृत्व और सहयोग के लिए रूस और यूक्रेन की सराहना करती हूं। मुझे उम्मीद है कि ओलेश्की दोनों देशों के बीच स्थायी शांति की नींव बनेगा। संघर्षविराम 27 अक्तूबर 2026 को शुरू हुआ था और तय कार्यक्रम के अनुसार एक नवंबर 2026 को समाप्त हुआ।'

इससे पहले दिन में मेलानिया ने इस मानवीय समझौते को ओलेश्की और आसपास के खेरसॉन क्षेत्र के लोगों के लिए जरूरी राहत पाने का अवसर बताया था। इसके तहत लोगों को भोजन, साफ पानी और दवाइयां उपलब्ध कराई गई। साथ ही उन्हें लगातार हमलों के खतरे के बिना सुरक्षित स्थानों पर जाने का मौका मिला। यह स्थानीय स्तर का संघर्षविराम यूक्रेन के संसद आयुक्त दिमित्रो लुबिनेट्स और रूस की मानवाधिकार आयुक्त याना लांत्रातोवा के बीच बातचीत के बाद हुआ था। इसमें अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने मध्यस्थता की थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मध्यस्थता के प्रयासों के लिए मेलानिया का आभार जताया था। उन्होंने बताया था कि संघर्षविराम के दौरान ओलेश्की जाने वाली सड़कों से बारूदी सुरंगें हटाई गई और वहां मानवीय सहायता पहुंचाई गई। जेलेंस्की ने यह भी कहा था कि जिन लोगों को वहां से निकाले जाने की जरूरत थी, उन्हें शहर और आसपास के इलाकों से बाहर पहुंचाया गया। इसके बाद यूक्रेनी नागरिक चेर्निहाइव क्षेत्र के रास्ते यूक्रेन में दाखिल हुए।

गुलामी प्रथा के लिए माफी मांग सकता है ब्रिटेन, पीएम बर्नहैम ने दिए संकेत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने गुलामी प्रथा के ऐतिहासिक अपराधों के लिए औपचारिक रूप से माफी मांगने के संकेत दिए हैं, लेकिन प्रभावित देशों को किसी भी प्रकार का आर्थिक मुआवजा देने से साफ इनकार कर दिया है। ब्रिटिश अखबार द गार्डियन में लिखे एक लेख में प्रधानमंत्री बर्नहम ने इस 400 साल पुराने अमानवीय कारोबार पर गहरा दुख और खेद व्यक्त किया है। यह बयान ऐसे समय पर आया है जब एंटीगुआ और बारबुडा में कॉमनवेल्थ देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक होने जा रही है, जहां कैरेबियाई देश ब्रिटेन से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। ब्रिटेन ने आज तक कभी भी गुलामी प्रथा के लिए माफी नहीं मांगी है। बर्नहम ने कहा कि इतिहास से मुंह चुराने के कारण राष्ट्रमंडल देशों के साथ संबंध प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए वह प्रभावित देशों के साथ बातचीत और माफी की मांग पर विचार करने को तैयार हैं। बर्नहैम की 'माफी' में उपनिवेशवाद का न होना अक्षम्य : थरूर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा बर्नहैम के ट्रांस-अटलांटिक दास व्यापार पर माफी मांगने में उपनिवेशवाद को शामिल न करना पूरी तरह से अस्वीकार्य और अक्षम्य है। यह शर्मनाक है कि ब्रिटिश साम्राज्य के दौर में भारत और अन्य देशों में किए गए खून-खराबे, लूटपाट और तबाही के लिए ब्रिटेन ने कभी एक साधारण माफी भी नहीं मांगी।

यूक्रेन के रास्ते यूरोप तक फिर पहुंचेगी रूसी गैस? अमेरिका तलाश रहा नए विकल्प

वाशिंगटन, एजेंसी। सर्दियों की शुरुआत से पहले मॉस्को और कीव के बीच ऊर्जा संघर्ष विराम यानी एनर्जी सीजफायर कराने के मकसद से अमेरिका एक नई योजना पर काम कर रहा है। इस योजना के तहत यूक्रेन से गुजरने वाली पाइपलाइनों के जरिए रूसी प्राकृतिक गैस को दोबारा यूरोप तक पहुंचाया जा सकता है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि यह प्रस्ताव शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है।

क्या है पाइपलाइन नेटवर्क का खाका?: इस व्यवस्था के तहत एक अमेरिकी मध्यस्थ कंपनी रूसी गैस की बिक्री को संभाल सकती है। इससे यूरोपीय प्रतिबंधों का उल्लंघन भी नहीं होगा और अमेरिकी निवेशकों को इस कारोबार में हिस्सेदारी भी मिल सकेगी। अमेरिकी दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने सितंबर में मॉस्को और कीव यात्रा के दौरान यह प्रस्ताव रखा था। योजना में सोवियत दौर के उस पाइपलाइन नेटवर्क का इस्तेमाल करने का सुझाव है, जो साइबेरिया के उरेंगॉय गैस क्षेत्रों को यूक्रेन के रास्ते यूरोप से जोड़ता है। बदले में, यूक्रेन को गैस ट्रांजिट शुल्क से जरूरी राजस्व मिल सकेगा।

प्रतिबंधों की बाधा पर यूरोप की हिचकिचाहट: इस प्रस्ताव की राह में सबसे बड़ी रुकावट यूरोप का वह फैसला है, जिसके तहत उसने रूसी ऊर्जा पर निर्भरता पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया है। यूरोपीय संघ (यूई) के कानूनों के मुताबिक, सदस्य देशों को 2027 के अंत तक रूसी प्राकृतिक गैस की खरीद पूरी तरह बंद करनी है। कई यूरोपीय नेताओं ने साफ कर दिया है कि वे रूस से



आपूर्ति दोबारा शुरू नहीं करना चाहते, क्योंकि वे उसे अपनी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते हैं। ईयू के एनर्जी कमिश्नर डैन जोर्गेनसन ने भी दोहराया कि शांति समझौता होने के बावजूद रूस पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

शांति वार्ता में नए सिरे से आई तेजी: यह प्रस्ताव पिछले महीने तब धीमा पड़ गया था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के दबाव के बाद यूक्रेन ने रूसी रिफाइनरियों पर हमले रोक दिए थे। यह रोक करीब दो सप्ताह चली, जबकि रूस की तरफ से यूक्रेन के ऊर्जा ढांचों पर हमले जारी रहे। हालांकि, हाल ही में यूक्रेन द्वारा रूस की तीन बड़ी रिफाइनरियों पर दोबारा हमले शुरू किए जाने के बाद ऊर्जा संघर्ष विराम का मुद्दा फिर गरमा गया है। अब नवंबर के मध्य में अबू धाबी में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय वार्ता प्रस्तावित है, हालांकि मॉस्को ने अब तक इस व्यवस्था पर झिझक दिखाई है।

यूरोप के लिए साबित हो सकता है वरदान: व्हाइट हाउस ने इस बात पर भी विचार किया है कि रूस गैस बिक्री से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल युद्ध में न कर सके। इसके तहत यूरोप से मिलने वाले पैसों को किसी तीसरे देश के अधिकार क्षेत्र वाले एस्क्रो यानी सुरक्षित खाते में रखने का प्रस्ताव है। अमेरिकी समझौता कराने वाले का मानना है कि यूरोपीय बाजार तक पहुंच व्लादिमीर पुतिन को डील स्वीकार करने का बड़ा वित्तीय कारण दे सकती है। साथ ही, कम गैस भंडार के साथ सर्दियों की तैयारी कर रहे यूरोप के लिए भी ऊर्जा लागत घटाने का यह एक जरिया बन सकता है।

नॉर्ड स्ट्रीम की तुलना में यूक्रेनी मार्ग आसान: वाशिंगटन किसी व्यापक समझौते के तहत क्षतिग्रस्त नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइनों को भी बहाल करने के विकल्प पर विचार कर रहा है। हालांकि, सितंबर 2022 में हुए पानी के भीतर धमाकों के कारण नॉर्ड स्ट्रीम 1 और 2 बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और उन्हें दोबारा शुरू करने में लंबा वक्त और कानूनी प्रक्रियाएं लगेंगी। इसके विपरीत, यूक्रेन से होकर गुजरने वाला पाइपलाइन नेटवर्क तुरंत चालू किया जा सकता है। यह नेटवर्क स्लोवाकिया, ऑस्ट्रिया और जर्मनी तक जाता है और युद्ध के बावजूद जनवरी 2025 तक यहां से सीमित गैस आपूर्ति जारी थी।

यूरोप का गहराता ऊर्जा संकट: यूरोप में ऊर्जा की स्थिति लगातार चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। ईरान से जुड़े टकराव के चलते कतर से आने वाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस की खेप खाड़ी में अटक गई है, जिससे यूरोप की ऊर्जा लागत में करीब 100 अरब यूरो का इजाफा हुआ है। इसके अलावा, यूरोप के भूमिगत गैस भंडारण केवल 75त्न ही भर पाए हैं, जो नौ साल के औसत से कम है। यूक्रेन के लिए भी यह समझौता राहत भरा हो सकता है, बशर्ते इसके जरिए उसके ऊर्जा ढांचों पर रूसी हमलों पर रोक लगे। अगर ऊर्जा संकट के कारण बिजली गुल रही और मानवीय संकट गहराया, तो यूरोप में शरणार्थियों की एक और लहर आ सकती है। अमेरिकी पैट्रियट मिसाइलों की सीमित आपूर्ति के बीच यूक्रेन का हवाई रक्षा तंत्र भी दबाव में है, ऐसे में सर्दियों से पहले ऊर्जा संघर्ष विराम दोनों पक्षों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

काम और जिंदगी के बीच संतुलन अहम: बेहिचक बड़ी नौकरियां छोड़ रही आधी आबादी, अब रचनात्मक काम में आजमा रहीं हाथ



न्यूयॉर्क/सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। करीब 20 साल तक कॉर्पोरेट लीडरशिप की जिम्मेदारी संभालने और मातृत्व की दोहरी भूमिका निभाने के बाद 47 वर्षीया तृषा दाब ने जब एक साल का ब्रेक लिया, तो उन्हें अहसास हुआ कि वे कितनी थक चुकी थीं। तृषा कहती हैं, जिंदगी ऐसी महसूस होती थी मानो मैं लगातार कोई मैराथन दौड़ रही हूं।

ब्रेक के दौरान मुझे समझ आया कि मेरी प्राथमिकताएं पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब वे कॉर्पोरेट की ऊंची कुर्सी छोड़कर ट्रैवल राइटर और सब्स्टिट्यूट टीचर के रूप में अधिक संतुलित जीवन जी रही हैं। यह केवल तृषा की कहानी नहीं है। 30 और 40 के दशक की उम्र वाली मिलेनियल महिलाएं अब कॉर्पोरेट सीढ़ी के शीर्ष पर पहुंचने की अंधी दौड़ को अलविदा कह रही हैं। 2010 के दशक में मेटा (मेटावर्स) की पूर्व सीओओ शेरिल सैंडबर्ग ने अपनी प्रसिद्ध किताब के जरिये महिलाओं को कॉर्पोरेट लीडरशिप में आगे बढ़ने के लिए 'लीन इन' का मंत्र दिया था। लेकिन आज वही मिलेनियल महिलाएं उस मंत्र को उलटकर 'लीन आउट' कर रही हैं, यानी कॉर्पोरेट दुनिया को छोड़कर अपना खुद का बिजनेस शुरू कर रही हैं, कंटेंट क्रिएटर बन रही हैं या वर्क-लाइफ बैलेंस को प्राथमिकता दे रही हैं। कार्यस्थलों पर नहीं मिलता महत्व, जिनकी वो हकदार हैं : बिजनेस इनसाइडर से बातचीत करते हुए 57 वर्षीया शेरिल सैंडबर्ग ने स्वीकार किया कि महिलाओं का कॉर्पोरेट से यह पलायन इस बात का संकेत है कि कार्यस्थलों पर उन्हें वह महत्व और सहयोग नहीं मिल रहा जिसकी वे हकदार हैं। कहती हैं, यह महिलाएं यह नहीं कह रही हैं कि वे काम नहीं करना चाहतीं। वे कह रही हैं कि वे इसलिए काम नहीं करना चाहतीं क्योंकि उन्हें यह महसूस कराया जा रहा है कि उनकी जरूरत नहीं है, उन्हें समान अवसर और समर्थन नहीं मिल रहा, और घर पर उन पर काम का अनुचित बोझ है। 2010 के दशक में 'गर्लबॉस' संस्कृति का बोलबाला था, जहां गुलाबी रंग के दफ्तरों और 'आई वांट इट ऑल' जैसे नियोन अक्षरों के साथ महिलाओं को हर क्षेत्र में टॉप पर पहुंचने के लिए प्रेरित किया जाता था। लेकिन कार्यस्थल के विषाक्त माहौल और बर्नआउट की खबरों ने इस चमक-धमक की पोल खोल दी। मनोचिकित्सक एनी राइट के अनुसार, महिलाएं अब अपनी महत्वाकांक्षा को छोड़ रही हैं। 124 संगठनों के 9,500 कर्मचारियों पर किए गए हालिया सर्वेक्षण वुमेन इन द वर्कप्लेस के अनुसार पुरुषों की तुलना में महिलाएं अब पदोन्नति की इच्छा कम जता रही हैं। 28 से अधिक मिलेनियल महिलाओं ने माना कि व्यक्तिगत और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण उनके लिए बड़ी कॉर्पोरेट भूमिकाएं निभाना मुश्किल हो रहा है।

उफान पर नदियां, बहती कारें और डूबे घर... अमेरिका और मेक्सिको में बाढ़ का कहर; बारिश का 100 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी इलाकों और मैक्सिको में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई है। नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं।

मैक्सिको में बाढ़ के बहाव ने कई कारों को बहा दिया। 12 अक्टूबर को हरिकेन साइमन ने मैक्सिको के प्रशांत तट पर भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचाई थी। वहीं ट्रॉपिकल स्टॉर्म रेचल के कारण अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में भीषण बारिश हुई। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार एरिजोना के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है, जहां रेस्क्यू टीमें नावों से घरों में फंसे लोगों को निकाल रही हैं।

बारिश का 100 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा : दक्षिण-पश्चिमी कोलोराडो के पगोसा स्प्रिंग्स में अधिकारियों ने भीषण बाढ़ की चेतावनी दी है। सैन जुआन नदी के जलस्तर के 21.9 फीट तक पहुंचने का अनुमान है। यह 1911 की उस विनाशकारी बाढ़ के दौरान दर्ज किए गए 17.8 फीट के स्तर से भी अधिक हो सकता है, जिसने शहर के एक बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

मेक्सिको के पांच राज्यों में अलर्ट : शनिवार को एरिजोना के लगभग पूरे हिस्से, दक्षिणी यूटा, दक्षिण-पश्चिमी कोलोराडो, पश्चिमी न्यू मेक्सिको और दक्षिणी नेवादा के लिए बाढ़ की निगरानी और चेतावनी जारी की गई। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी दी है कि लगातार बारिश से बाढ़ की स्थिति और बिगड़ सकती है, जिससे दूर-दराज के इलाकों में सड़कें पूरी तरह बंद की जा सकती हैं। टक्सन के एक मौसम विज्ञानी ने बताया कि इस इलाके में कुछ ही दिनों के भीतर दो से तीन महीने के बराबर बारिश हुई। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वालों का अनुमान है कि कुछ इलाकों में 4 इंच तक बारिश हो सकती है और यह बारिश सोमवार तक जारी रहने की संभावना है।

बाढ़ के पानी में बह गईं कई कारें: मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया सुर राज्य के सैन होजे डेल काबो से सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि बाढ़ का तेज पानी कई कारों को बहा ले जा रहा है। भारी बारिश के कारण आमतौर पर सूखे रहने वाले रास्ते अब उफनती नदियों में बदल गए हैं। बताया जा रहा है कि 100 मिमी से भी ज्यादा मूसलाधार बारिश हुई है, जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं और स्थानीय जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। मेक्सिको के लॉस काबोस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें अचानक आई बाढ़ के कारण सूखी नदी के रास्ते उफनते दरिया में बदल गए और कारें बहकर समुद्र में चली गईं।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के सात मछुआरों को किया गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

कोलंबो, एजेंसी। तमिलनाडु के रामेश्वरम से समुद्र में गए सात भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने और उनके जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।



नौसेना ने उनकी एक मैकेनाइज्ड नाव को भी जब्त कर लिया है। रविवार को श्रीलंकाई अदालत में पेश किए जाने के बाद सभी मछुआरों को 13 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

तलाईमन्नार के पास रोकी गई नाव: शनिवार को रामेश्वरम फिशिंग हार्बर से लगभग 2500 मछुआरे करीब 400 मैकेनाइज्ड नावों में सवार होकर समुद्र में निकले थे। पाक खाड़ी क्षेत्र में तलाईमन्नार के पास जब वे मछली पकड़ रहे थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना ने जॉन मर्विन की एक मैकेनाइज्ड नाव को रोक लिया।

नौसेना ने नाव पर सवार सात मछुआरों को हिरासत में लिया, जिनकी पहचान प्लासियस, अलगु पांडी, एंटनी पिचाई, राबिन, नेल्सन, अरुलनंदा जेवियर और सगया आनंद के रूप में हुई है।

इसके बाद उन्हें मन्नार नौसैनिक कैंप ले जाया गया और आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए श्रीलंकाई मत्स्य पालन अधिकारियों को सौंप दिया गया। रविवार को अदालत में पेशी के बाद उन्हें वावुनिया जेल में भेज दिया गया है।

अमेरिका में हैलोवीन वीकेंड बना खौफनाक, डलास से अलबामा तक गोलियों की गूंज, 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन/डलास, एजेंसी। अमेरिका में हैलोवीन सप्ताहांत के दौरान देश के करीब छह शहरों में गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और



दर्जनों अन्य लोग घायल हुए। सबसे अधिक हिंसा डलास में हुई। पुलिस ने बताया कि डलास शहर के डीप एलम इलाके में गोलीबारी की कुछ घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यह इलाका संगीत, रेस्तरां और रात में मनोरंजन के लिए लोकप्रिय है। अर्कांसस के फेयेटविले, अलबामा के बर्मिंघम और डेलावेयर के नेवार्क जैसे शहरों में भी पुलिस ने सप्ताहांत के दौरान गोलीबारी की घटनाओं की जानकारी दी। डलास के पुलिस प्रमुख डैनियल कोमोक्स ने बताया कि जांचकर्ता अभी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि शनिवार रात करीब सवा घंटे के भीतर हुई गोलीबारी की घटनाएं आपस में जुड़ी हुई थीं या नहीं। कोमोक्स ने बताया कि गोलीबारी की तीन अलग-अलग घटनाएं हुईं और अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि ये क्यों शुरू हुईं। उन्होंने कहा कि कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है या उन पर क्या आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, एक अलग घटना में शनिवार रात अलबामा राज्य के बर्मिंघम शहर में लीजन फील्ड के ठीक बाहर वार्षिक मैजिक सिटी क्लासिक फुटबॉल मैच के बाद हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। बर्मिंघम पुलिस विभाग के प्रमुख माइकल पिकेट ने बताया कि मैच खत्म होने के बाद ज्यादातर दर्शक और परिवार स्टेडियम से जा चुके थे। पुलिस प्रवक्ता डीरेल फ्रीमैन ने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए पुलिस मुख्यालय ले जाया गया है। साथ ही, पुलिस को कई हथियार मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। डेलावेयर के नेवार्क में शनिवार देर रात डेलावेयर विश्वविद्यालय परिसर के पास हुई गोलीबारी में छह लोग घायल हो गए। नेवार्क पुलिस के लेफ्टिनेंट ग्रेग डीएलिया ने रविवार तड़के बताया कि सभी छह घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कंपनी ने कर्मचारी की मेहनत पर लुटाया अपार प्यार

4 करोड़ का सरप्राइज तोहफा देकर किया हैरान

दुबई, , एजेंसी। एक रियल एस्टेट कंपनी रिचकी प्रॉपर्टीज ने अपनी बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली कर्मचारी नतालिया शावेज को करोड़ों रुपये की लग्जरी कार भेंट की है। दुबई की इस कंपनी के मालिक दबान ओथमान ने नतालिया के काम की सराहना करते हुए उन्हें लेम्बोर्गिनी उरुस तोहफे में दी, जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपये बताई जा रही है। नतालिया ने पिछले दो वर्षों में 500 मिलियन डॉलर यानी 4,760 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री पूरी की। उनके इसी शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें कंपनी की वर्ष 2026 की टॉप परफॉर्मर चुना गया।

कंपनी की वर्षगांठ पर मिला बड़ा सरप्राइज: यह खास तोहफा कंपनी की तीसरी वर्षगांठ के समारोह के दौरान दिया गया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि नतालिया को पहले मंच पर बुलाया जाता है और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाता है। इसके बाद जब वह मंच से नीचे उतरने लगती हैं, तो उन्हें दोबारा बुलाया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि उनके लिए एक और सरप्राइज रखा गया है। इसके बाद रिबन से सजी नई लेम्बोर्गिनी उरुस उनके सामने लाई जाती है और उन्हें खुद कार से पर्दा हटाने के लिए कहा जाता है। इस तोहफे के साथ नतालिया को चार पुरस्कार भी दिए गए। रिचकी प्रॉपर्टीज ने इंस्टाग्राम पर समारोह का वीडियो साझा करते हुए नतालिया की उपलब्धियों की तारीफ की। कंपनी के मुताबिक, नतालिया ने पहली से तीसरी तिमाही तक अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और रिचकी टॉप परफॉर्मर ऑफ 2026 का खिताब अपने नाम किया। इसी उपलब्धि के लिए उन्हें कंपनी का सबसे बड़ा पुरस्कार दिया गया।

नतालिया ने बताया अपनी सफलता का मंत्र: नतालिया ने एक साक्षात्कार में कहा था कि उनकी निरंतर मेहनत के पीछे एक खास लक्ष्य है। वह निवेशकों को दुबई में निवेश करने में मदद करना चाहती हैं और हर सौदे में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है, क्योंकि यहां रुकने की गुंजाइश नहीं है। नतालिया के मुताबिक, उन्हें भरोसा था कि अपने करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए उन्होंने सही कंपनी चुनी है।



इंग्लैंड के खिलाफ मौका नहीं मिलने पर लिया फैसला

मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास



नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 5 मैचों की टी20 सीरीज में नहीं चुने जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल ने सोमवार (3 नवंबर) को संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 1ह्य फर्स्ट-क्लास क्रिकेट और लिस्ट-ए मैचों से भी संन्यास ले लिया है। वह बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलना जारी रखेंगे, क्योंकि उनके अनुबंध को 2027-28 सीजन तक बढ़ा दिया गया है। मैक्सवेल ने पिछले साल जून में ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहे। उन्होंने 2026 में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया, जहां उनकी टीम ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाई। फरवरी में ओमान के खिलाफ उस टूर्नामेंट का आखिरी मैच उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का भी आखिरी मैच साबित हुआ।

एमसीजी में खेलकर लेना चाहते थे विदाई

दो बार के वनडे विश्व कप विजेता और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व चैंपियन बनने पर विजयी रन बनाने वाले मैक्सवेल की इच्छा थी कि वह अपने घरेलू मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने देश के लिए एक आखिरी बार मैदान में उतर पाते, लेकिन उनकी यह हसरत पूरी नहीं हो सकी।

ग्लेन मैक्सवेल ने क्या कहा?

मैक्सवेल ने 'द फाइनल वर्ड'पॉडकास्ट पर कहा,'टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार बातचीत हुई। और यह बातचीत काफी खुली थी। उस तरफ (ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट) से कोई दबाव नहीं था और हमने तय किया कि आगे के लिए रास्ते खुले रखे जाएं। कुछ सीरीज आने वाली थीं। वे भविष्य पर ध्यान देना चाहते थे और हमने बांग्लादेश में देखा कि वहां खिलाड़ियों को मौके मिले और उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।'

एमसीजी में खेलकर विदा होना चाहते थे मैक्सवेल

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि एक छोटी सी उम्मीद या शायद इस पर बात होनी चाहिए थी कि मुझे एमसीजी में एक विदाई मैच खेलने का मौका मिल सकता है, लेकिन इस टीम को लेकर वे जिस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं मैं उसे पूरी तरह समझ सकता हूं। मुझे लगता है कि अगले 12 से 24 महीनों में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे, खासकर इसलिए क्योंकि (2028 में) ओलंपिक है। ऐसे में उन्हें कुछ युवा खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय दबाव का अनुभव मिले। एक ऐसा अनुभव जो शायद हमेशा बीबीएल के मैचों में नहीं मिल पाता।'

इंग्लैंड सीरीज को लेकर क्या बोले मैक्सवेल

इंग्लैंड की टीम व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया आने वाली है, जिसमें मेलबर्न में होने वाला एक टी20 मैच भी शामिल है। मैक्सवेल के मन में इस सीरीज के लिए खुद को तैयार करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, 'यह एक विकल्प था, लेकिन मैं अपने घुटने में इंजेक्शन लगवाने के लिए भी तैयार था, ताकि यह पक्का हो सके कि मैं बीबीएल के लिए फिट रहूं। दोनों ही स्थितियों में कुछ न कुछ सकारात्मक था। जैसे ही वह मौका हाथ से निकल गया, मुझे अपने शरीर पर फिर से ध्यान देने का समय मिल गया।

बीबीएल के लिए तैयारी

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'अब मैं 8 हफ्तों तक अच्छे से रिहैब करूंगा, ताकि मैं पूरी तरह मजबूत हो जाऊं और आने वाले बीबीएल के लिए तैयार रहूं। यह कुछ-कुछ उस परीकथा जैसा है, जिसमें आप अपने हीरो या आदर्शों को ऐसी स्थितियों से गुजरते हुए देखते हैं। आपका मन भी उसी दिशा में सोचने लगता है। शायद ही कोई और फॉर्मेट होता जिसके लिए मैं ऐसी इच्छा रखता, सिवाय इसके, जहां पिछले 15 सालों से मुझे बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस होता रहा है।'

ग्लेन मैक्सवेल का करियर

ग्लेन मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 130 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 154.42 के स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं और 51 विकेट लिए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम पांच शतक हैं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। इस रिकॉर्ड में वे रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सात मैच खेले हैं, जिनमें से आखिरी मैच 2017 में था और कुल 339 रन बनाए हैं। रांची में भारत के खिलाफ बनाया गया 104 रनों का स्कोर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

भारत-पाकिस्तान मैच का गजब जुनून, 84 लाख लोगों को चाहिए टिकट



भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट को लेकर मारामारी

क्रिकेट में हालांकि भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से बढ़कर कोई राइवेलरी नहीं रही है. खासकर तब जब मुकाबला वर्ल्ड कप का हो तो और भी. लेकिन, इस सिक्के का दूसरा पहलू ये भी है कि हाल के दिनों में इन दो चिर-प्रतिद्वन्दियों में घमासान एकतरफा ही दिखा है. पिछली 9 भिड़ंत में पलड़ा भारत का झुका रहा है. पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आखिरी जीत 2022 के एशिया कप में हासिल की थी.

नई दिल्ली, एजेंसी। जरा सोचिए कि अगले साल 10 अक्टूबर को क्या होगा? ऐसा इसलिए क्योंकि अगले साल 10 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच है, जिसके टिकट 84 लाख लोगों को चाहिए. भारत-पाकिस्तान के बीच 10 अक्टूबर 2027 को मुकाबला वनडे वर्ल्ड कप में खेला जाएगा, जो कि जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर होगा. अब हैरानी इसलिए है क्योंकि वांडरर्स मैदान की क्षमता सिर्फ 34000 दर्शकों की है. ICC मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 का फाइनल भी जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर ही 21 नवंबर को होना है, जिसके लिए कुल 9 लाख लोग टिकट की होड़ में हैं. टूर्नामेंट की शुरुआत 7 अक्टूबर को होगी, जो कि 2023 वर्ल्ड कप के फाइनल का ही रिपीट होगा. मतलब उसमें ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें आमने-सामने होंगी.

भारत-पाक के ग्रुप में ये टीमें - भारत और पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ एक ग्रुप में हैं. वहीं इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, श्रीलंका और न्यूजीलैंड दूसरे ग्रुप में. ग्रुप स्टेज से दोनों ग्रुप से टॉप थ्री टीम के अलावा बेस्ट चौथे नंबर की टीम सुपर-7 स्टेज में जाएगी, जहां से टॉप की 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी.

चोला ग्रैंडमास्टर्स शतरंज

पांच खिलाड़ी संयुक्त बढ़त पर, प्रणेश और नारायणन भी शीर्ष पर पहुंचे



चेन्नई, एजेंसी। पहले चोला चेस ओपन इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के चौथे राउंड के बाद खिताबी दौड़ और रोमांचक हो गई है। अब पांच खिलाड़ी 3.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ये हैं ग्रैंडमास्टर कार्तिकेयन मुरली, ग्रैंडमास्टर लियोन ल्यूक मेंडोंसा, अर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर सैमवेल टेर-सहक्यान, ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम. और ग्रैंडमास्टर एस.एल. नारायणन। पहले बोर्ड पर कार्तिकेयन मुरली और लियोन ल्यूक मेंडोंसा आमने-सामने थे। दोनों ने अब तक अपनी सभी बाजियां जीती थीं और यह मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरे बोर्ड पर शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए टेर-सहक्यान से अंक बांटे। यह अरविंद का लगातार दूसरा ड्रॉ रहा। अब वे 3 अंकों के साथ बढ़त से आधा अंक पीछे हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026

भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-0 से रौंदा

लगातार 5वीं जीत के साथ शीर्ष पर रहा, दिलप्रीत सिंह ने दागे 2 गोल



नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 हॉकी टूर्नामेंट में गत चैंपियन भारत का अजेय अभियान जारी है। भारतीय टीम ने सोमवार दो नंवबर 2026 को अपने पांचवें और आखिरी राउंड रॉबिन मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-0 से करारी शिकस्त देकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। भारत की ओर से दिलप्रीत सिंह ने दो गोल किये, जबकि जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, संजय और अंगद बीर सिंह ने 1-1 गोल किया।

टूर्नामेंट का अंतिम चरण अब मोहाली में होगा। टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल मैच में बुधवार को भारत का सामना फिर दक्षिण कोरिया से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल मैच में मलेशिया का सामना जापान से होगा।

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के बाद जापान, एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता मलेशिया और दक्षिण कोरिया का स्थान रहा। इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश को 13-0, चीन को 5-2, जापान को 4-1 और मलेशिया को 4-2 से हराया था। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह (8वें और 40वें मिनट) ने दो गोल किये, जबकि भारत के लिए अन्य गोल जुगराज सिंह (11वें), हरमनप्रीत सिंह (15वें), शिलानंद लकड़ा (33वें), सुखजीत सिंह (34वें), संजय (36वें) और अंगद बीर सिंह (60वें) ने किये।

भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की और चौथे मिनट में ही गोल करने का पहला प्रयास किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पास पर सुखजीत सिंह ने सर्कल के ऊपरी हिस्से से एक 'रिवर्स हिट' लगाई, लेकिन दक्षिण कोरिया के सतर्क गोलकीपर जेह्योन किम ने उसे अपने दस्तानों से रोक दिया। चार मिनट बाद भारत ने दिलप्रीत सिंह के जरिये बढ़त बना ली। जरमनप्रीत सिंह से मिले पास पर उन्होंने एक बेहतरीन रिवर्स हिट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। कोरियाई टीम जब 11वें मिनट में लगातार मिले पेनल्टी कॉर्नर्स का फायदा उठाने में नाकाम रही तब जुगराज ने रिबाउंड पर गोल कर दिया और भारत ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

फॉर्म में लौटे यशस्वी जायसवाल

टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन दूर हो गई है. भारतीय टीम की टेंशन यशस्वी जायसवाल के फॉर्म को लेकर थी, जो पिछली कुछ टेस्ट पारियों से हिचकोले खा रही थी, पिछली 9 पारियों में से 4 में तो वो खाता भी नहीं खोल पाए थे. लेकिन, अब सब ठीक है. यशस्वी फॉर्म में लौट आए हैं, जिसका प्रमाण है न्यूजीलैंड ए के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के आखिरी दिन उनके बल्ले से निकला शतक. यशस्वी ने ना सिर्फ धमाकेदार शतक जड़ा है बल्कि इस दमदार पारी के दौरान फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए.

दर्द के आगे शतक है - यशस्वी जायसवाल को शतक तक पहुंचने के दौरान दर्द का भी सामना करना पड़ा. ये दर्द उन्हें तब मिला जब वो 87 रन पर खेल थे और दूसरी पारी में इंडिया ए की इनिंग का 32वां ओवर चल रहा था. न्यूजीलैंड ए के गेंदबाज जेरॉड मकॉय ने इस ओवर की दूसरी गेंद बाउंसर फेंकी, जो सीधा जाकर उनके हेलमेट पर जोर से लगी. गेंद हेलमेट पर लगने के बाद यशस्वी को दर्द हुआ और वो थोड़े परेशान दिखे. उनका कनकशन टेस्ट हुआ. कनकशन जांच के बाद हालांकि वो खेलने के लिए फिट पाए गए.

ये शतक नहीं 9 पारियों की नाकामी का अंत है - यशस्वी जायसवाल के लिए क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जमाया शतक कितना खास है, उसका अंदाजा पिछली 9 पारियों के उनके आंकड़े देखकर लगाया जा सकता है. उन 9 पारियों में उनके नाम 4 डक के अलावा सिर्फ 1 फिफ्टी प्लस स्कोर है. उन 9 पारियों में 3 पारियां तो यशस्वी ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ ही खेली, जिसमें सिर्फ 21 रन उनके खाते में आए. लेकिन, अब न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चौथी पारी में उन्होंने वो शतक जड़ दिया है, जो टीम इंडिया के साथ साथ करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस को सुकून देने वाला है.

18 शतक, 5000 रन और यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ 119 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. उन्होंने शतक की दहलीज 99 रन के स्कोर पर छक्का लगाते हुए लांघी. ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का 18वां शतक रहा. इस शतकीय पारी के दौरान ही यशस्वी जायसवाल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए.



न्यूज़ीलैंड दौरा खत्म...

सूर्यवंशी के सामने नई परीक्षा!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को ज्यादा मौके नहीं मिले. 15 साल के वैभव सिर्फ दूसरे और तीसरे मुकाबले में खेलने उतरे क्योंकि ईशान किशन चोटिल थे. वैभव ने क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए 4 रन बनाए. फिर वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में वैभव को ओपनिंग करने का मौका मिला तो उन्होंने गदर काट दिया. वैभव ने 4 छक्के और चार चौके की मदद से सिर्फ 19 बॉल पर 45 रन ठोक दिए. बाकी के तीन मुकाबलों में वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया, जिसे लेकर सवाल खड़े हुए.



अब भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. फिर दो मैचों की टेस्ट सीरीज का भी आयोजन भी होना है. 'बेबी बॉस' के नाम से मशहूर वैभव इन दोनों सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं, ऐसे में वो भारत लौट रहे हैं. हालांकि वैभव सूर्यवंशी क्रिकेटिंग एक्शन से ज्यादा दूर नहीं रहने वाले हैं. 14 नवंबर से घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 की शुरुआत हो रही है. ऐसे में पूरी उम्मीद है कि वैभव भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगे. बिहार की टीम इस टूर्नामेंट के लिए घोषित नहीं हुई है, लेकिन वैभव का सेलेक्शन लगभग तय है. SMAT के आगामी सीजन में बिहार को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है.

प्रेमा रावत ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। छक्के-चौकों की बारिश, जो बॉल सामने आई उसे बाउंड्री के पार पहुंचाया. उत्तराखंड की प्रेमा रावत ने सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में ऐसा ही कमाल किया. दाएं हाथ की इस तूफानी बल्लेबाज ने हैदराबादी गेंदबाजों की धुनाई करते हुए सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया जो कि महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है. प्रेमा रावत ने पाकिस्तान की फातिमा सना का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. अब ये रिकॉर्ड प्रेमा के नाम है.

प्रेमा ने ऐसे ठोका सबसे तेज अर्धशतक - प्रेमा रावत चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरी. इस खिलाड़ी ने पहली गेंद डॉट खेली और उसके बाद छक्के चौकों की झड़ी लगा दी. प्रेमा ने दूसरी, तीसरी और



चौथी गेंद पर चौका लगाया. इसके बाद उन्होंने एक गेंद डॉट खेली. अगली गेंद पर छक्का लगाने के बाद उनसे एक बॉल और डॉट हुई. प्रेमा ने इसके बाद अगली 7 गेंदों पर 3 छक्के, 3 चौके और एक डबल लिया. इसके साथ ही उन्होंने 14 गेंदों में अर्धशतक जमा दिया. प्रेमा रावत ने अपनी 14 गेंदों की फिफ्टी में तीन गेंद डॉट खेली. अगर ऐसा ना होता तो सोचिए प्रेमा 11 गेंदों में अर्धशतक लगा सकती थीं.

प्रेमा रावत कौन हैं? - प्रेमा रावत उत्तराखंड के बागेश्वर जिले की रहने वाली हैं. उनके पिता केदार सिंह रावत भारतीय वायुसेना में हैं. प्रेमा ने गांव के खेतों में भाइयों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया. प्रेमा का सफर आसान नहीं रहा. वो पहले एथलेटिक्स और फिर हॉकी खेलती थीं. उन्होंने राज्य स्तर और स्कूल गेम्स में हॉकी में हिस्सा लिया है. 12वीं क्लास के बाद उन्होंने पिता के साथ बातचीत के बाद क्रिकेट पर पूरा फोकस किया. परिवार ने उनका साथ दिया और घरेलू क्रिकेट में उत्तराखंड महिला टीम के लिए खेलना शुरू किया. 2023 सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लिए. उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनीं. इसके बाद ड्रुक्क 2025 में उन्हें आरसीबी ने 1.2 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदा.

अब भारत-न्यूजीलैंड में ODI की जंग, ROKO का होगा दीदार



नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 सीरीज 3-2 से जीतने के बाद भारतीय टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरेगी. दोनों देशों के बीच पांच मैचों की सीरीज आज से शुरू होगी. इस दौरे पर टीम इंडिया की नजरें 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों पर भी रहेंगी. सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में है, जबकि आखिरी मैच 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में होगा. भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज को घरेलू मैदान पर 2-1 से हराया था. अब टीम की कोशिश न्यूजीलैंड में तीसरी बार द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने की होगी. वहीं, न्यूजीलैंड ने अपना पिछला वनडे दौरा जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था, जहां उसने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से जीती थी.

भारत की कप्तानी में होगा बदलाव - भारतीय टीम की कप्तानी शुरुआती तीन वनडे में शुभमन गिल करेंगे. आखिरी दो मुकाबलों में श्रेयस अय्यर कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे. जसप्रीत बुमराह को इस सीरीज से आराम दिया गया है. वहीं, चोटिल प्रसिद्ध कृष्णा की जगह शुरुआती तीन वनडे के लिए औकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है.

पहले तीन वनडे के लिए: मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लाथम (विकेटकीपर), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, विल यंग, ब्लेयर टिकनर और हेनरी निकोल्स.

आखिरी दो वनडे के लिए: मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट.

भारत की वनडे टीम: पहले तीन वनडे के लिए अपडेटेड स्क्वॉडः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे).

चौथे और पांचवें वनडे के लिए अपडेटेड स्क्वॉडः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर और उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव.

एक हजार किमी से अधिक सड़क निर्माण, 50 से ज्यादा गांवों में विद्युतीकरण जारी; शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन पर प्रशासन का फोकस

नक्सलवाद का असर घटा तो अंदरूनी गांवों में पहुंचा विकास, तीन साल में 90 गांवों तक पहुंची बिजली

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। नक्सलवाद के प्रभाव से लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से कटे रहे बीजापुर के अंदरूनी गांवों में अब बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। पिछले तीन वर्षों में 90 से अधिक गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है, जबकि 50 से ज्यादा गांवों में विद्युतीकरण का काम जारी है। जिले में एक हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया भी चल रही है। बुधवार को गर्ल्स पोर्टा केबिन ऑडिटोरियम में पीआईबी, रायपुर की ओर से आयोजित विशेष वार्तालाप कार्यक्रम में कलेक्टर विश्वदीप ने विकास कार्यों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेहतर सुरक्षा वातावरण के कारण अब अंदरूनी क्षेत्रों में भी सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। कलेक्टर ने बताया कि पहले सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के कारण





निर्माण कार्य प्रभावित होते थे। दोरनापाल-जगरगुंडा सड़क वर्ष 2013 में स्वीकृत हुई थी, जो 2025 के अंत तक पूरी हो सकी। अब फुंडरी पुल का निर्माण अंतिम चरण में है, जबकि बेदरे सहित अन्य क्षेत्रों में भी पुल निर्माण जारी है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन पर जोर-जिले के 55 आदिवासी छात्रावासों के विकास और बंद स्कूलों को दोबारा शुरू करने पर काम किया जा रहा है। नया नर्सिंग कॉलेज शुरू करने की पहल के साथ जिला अस्पताल की सुविधाएं बढ़ाने की भी योजना है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में एक नवंबर से जंगल सफारी शुरू हो चुकी है। वर्तमान में इसका मार्ग 9 किलोमीटर है, जिसे बढ़ाकर 32 से 33 किलोमीटर करने की योजना है। गिद्ध सफारी और मट्टी मरका सहित अन्य प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन से जोड़ने की तैयारी है। नेमेड क्षेत्र के 16 किसानों को झींगा पालन से जोड़ने की पहल भी की गई है।

80 करोड़ के कार्य स्वीकृत, 170 पंचायतों में नोडल व्यवस्था-कलेक्टर के अनुसार विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत 80 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिले की 170 ग्राम पंचायतों में नोडल व्यवस्था विकसित की जा रही है, ताकि ग्रामीणों को आधार, आयुष्मान और श्रमिक कार्ड सहित अन्य जरूरी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकें।

चार दशक के संघर्ष का होगा दस्तावेजीकरण-कलेक्टर ने पत्रकारों के सहयोग से बीजापुर के पिछले चार दशकों के संघर्ष और विकास यात्रा पर कॉफी टेबल बुक तैयार करने का प्रस्ताव रखा। वहीं, एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जिले में शांति और विकास की वर्तमान स्थिति सुरक्षा बलों के लंबे संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। बेहतर सुरक्षा वातावरण से अंदरूनी क्षेत्रों तक प्रशासन की पहुंच बढ़ी है और विकास कार्यों को गति मिली है। कार्यक्रम में पत्रकारों ने जिले की बदलती परिस्थितियों, सुरक्षा, विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़े सवाल भी उठाए।

मुर्गा लड़ाई के नाम पर जंगल में सज रहा था जुए का बड़ा बाजार, 156 लोगों पर कार्रवाई

रैगुड़ा में पुलिस की दबिश, 20 लाख रुपए नकद, 47 चारपहिया वाहन और 12 मोबाइल जब्त





मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले के भद्राकाली थाना क्षेत्र के रैगुड़ा जंगल में मुर्गा लड़ाई की आड़ में लाखों रुपए का जुआ संचालित किए जाने का मामला सामने आया है। जंगल में आयोजित मुर्गा बाजार में बड़ी संख्या में लोग जुटकर मुर्गा लड़ाई पर रुपये-पैसों का दांव लगा रहे थे। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी। कार्रवाई में 156 लोगों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने मौके से 20 लाख 1 हजार 200 रुपए नकद, 47 चारपहिया वाहन और 12 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार ग्राम रैगुड़ा के जंगल में मुर्गा बाजार के दौरान अवैध रूप से जुआ खिलाए जाने की सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घटनास्थल की घेराबंदी कर कार्रवाई की।

एक साथ 156 लोगों के खिलाफकार्रवाई

पुलिस की दबिश के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद मिले। पुलिस ने सभी 156 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की। तलाशी और कार्रवाई के दौरान घटनास्थल से 20,01,200 रुपए नकद बरामद किए गए। इसके अलावा वहां खड़े 47 चारपहिया वाहन और 12 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। जब्त की गई नकदी की बड़ी राशि और वाहनों की संख्या से इस आयोजन में बड़े स्तर पर लोगों की भागीदारी सामने आई है।

थाने में दर्ज हुआ अपराध, इन धाराओं में कार्रवाई-पकड़े गए 156 व्यक्तियों के विरुद्ध थाना भद्राकाली में अपराध क्रमांक 06/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) तथा सार्वजनिक द्यूत अधिनियम की धारा 4 और 13 के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

कार्रवाई में जब्त सामग्री पर एक नजर

* कुल नकद राशि : 20 लाख 1 हजार 200 रुपए
* चारपहिया वाहन : 47
* मोबाइल फोन : 12
* कार्रवाई के दायरे में आए व्यक्ति : 156
* थाना : भद्राकाली
* अपराध क्रमांक : 06/2026

रैगुड़ा जंगल में हुई इस कार्रवाई ने मुर्गा लड़ाई की आड़ में संचालित जुआ गतिविधियों को लेकर चर्चा तेज कर दी है। पुलिस की इस कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोगों के विरुद्ध एक साथ वैधानिक कदम उठाया गया है।

जनदर्शन में मिले 53 आवेदन, समय-सीमा में निराकरण के निर्देश



मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर देवेन्द्र चौधरी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को सुना। जनदर्शन के दौरान कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में तहसील जांजगीर के ग्राम पंचायत खोखरा निवासी श्रीमती निशा सूर्यवंशी ने आयुष्मान कार्ड बनवाने, ग्राम पंचायत बनारी निवासी रामेश्वर प्रसाद साहू ने जमीन की मुआवजा राशि दिलाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम जेवरा निवासी मनोज कुमार केंवट ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।

खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में धान विक्रय के लिए 'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप से मिलेगी सुविधा

किसान 10 नवंबर से प्राप्त कर सकेंगे टोकन, 24 घंटे उपलब्ध रहेगी ऑनलाइन सुविधा

मूक पत्रिका

बेमेतरा, खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान विक्रय करने वाले किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा 'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन जारी किए जाएंगे। इस सुविधा से किसानों को धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु समितियों में लंबी कतारों में लगने से राहत मिलेगी। किसान घर बैठे 24 घंटे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे।'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। ऐप के माध्यम से किसान ओटीपी आधारित पंजीयन कर टोकन प्राप्त कर सकते हैं। समिति में निर्धारित प्रतिदिन की धान खरीदी सीमा का 70 प्रतिशत टोकन ऐप के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत टोकन समिति के माध्यम से जारी किए जाएंगे।ऐप के माध्यम से निर्धारित 70 प्रतिशत खरीदी सीमा में से 80 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसानों तथा 20 प्रतिशत दीर्घ किसानों के लिए निर्धारित रहेगा। दो एकड़ तक भूमि वाले लघु एवं सीमांत किसानों को एक टोकन, दो एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले दीर्घ किसानों को तीन टोकन प्रदान किए जाएंगे।पूर्व वर्ष की भांति किसान अपनी धान विक्रय की मात्रा की प्रविष्टि कर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। पात्रतानुसार दूसरे एवं तीसरे टोकन के माध्यम से शेष धान की मात्रा का भी विक्रय किया जा सकेगा।किसान 10 नवंबर 2026 से ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इसके अंतर्गत 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की अवधि के लिए टोकन काटे जा सकेंगे। विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे 'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप का उपयोग कर सुविधाजनक तरीके से धान विक्रय हेतु टोकन प्राप्त करें।

विधायक दीपेश साहू की गरिमामयी उपस्थिति में शासकीय कन्या महाविद्यालय में युवा संवाद एवं जनभागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज मिश्रा का परिचय कार्यक्रम संपन्न

मूक पत्रिका

बेमेतरा - नगर स्थित लक्ष्मण प्रसाद वैद्य शासकीय कन्या महाविद्यालय में बीते बुधवार को युवा संवाद कार्यक्रम एवं जनभागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज मिश्रा का परिचय कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, सरगुजा संभाग प्रभारी होरी लाल सिन्हा, युगल देवांगन सहित अन्य अतिथियों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विधायक दीपेश साहू एवं



उपस्थित अतिथियों ने विधायक निधि से महाविद्यालय को प्रदत्त वाटर कूलर का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस सुविधा से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.आर. साहू ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्राओं के सर्वांगीण विकास तथा संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को प्रदर्शित करते हुए शानदार सुवा नृत्य, गरबा एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए और उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया।विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त साधन है। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं हमारे समाज और प्रदेश का भविष्य हैं। उनके लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आवश्यक सुविधाएं एवं अवसर उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के विकास और छात्राओं की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। विधायक निधि से वाटर कूलर की व्यवस्था भी इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज मिश्रा को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में जनभागीदारी समिति महाविद्यालय के विकास और छात्राओं के हित में सक्रिय भूमिका निभाएगी।नवनियुक्त जनभागीदारी समिति अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने इस दायित्व के लिए विधायक दीपेश साहू एवं सभी वरिष्ठजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय के विकास, छात्राओं की शैक्षणिक गुणवत्ता, बेहतर सुविधाओं एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी समिति और महाविद्यालय परिवार के आपसी समन्वय से छात्राओं के हित में सकारात्मक पहल की जाएगी।

बेमेतरा नए बस स्टैंड का नामकरण

स्व. दाऊ उमराव सिंह वर्मा के नाम पर करने एवं प्रतिमा स्थापना की मांग

मूक पत्रिका

बेमेतरा - शहर के नए बस स्टैंड का नामकरण महान समाजसेवी एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व स्वर्गीय दाऊ उमराव सिंह वर्मा जी के नाम पर किए जाने तथा बस स्टैंड परिसर में उनकी प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर बुधवार, 04 नवंबर 2026 को समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नगरपालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी (छुट्टी) को आवेदन सौंपा।

इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों, सामाजिक पदाधिकारियों एवं युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रतिनिधिमंडल ने



जनप्रतिनिधियों एवं नगरपालिका प्रशासन से मांग की कि स्व. दाऊ उमराव सिंह वर्मा जी के सामाजिक योगदान, व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देते हुए नए बस स्टैंड का नाम उनके नाम पर रखा जाए तथा उनकी प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उनके योगदान और गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सकें।कार्यक्रम में स्व. दाऊ उमराव सिंह वर्मा जी के वंशज श्री विजय वर्मा, लोचन वर्मा एवं सुमित वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही जिला सिंघरौर कुर्मी केंद्रीय समिति के अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष खेमराज वर्मा, सचिव ललित वर्मा, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती रीना वर्मा एवं श्रीमती सुनीता वर्मा सहित समाज के अनेक पदाधिकारी शामिल हुए।परिक्षेत्रीय अध्यक्षों में अजय वर्मा, देवचरण वर्मा, योगेश वर्मा एवं मिथिलेश वर्मा की उपस्थिति रही। इसके अलावा पूर्व अध्यक्ष कौशल वर्मा, ऋषि वर्मा, विजेंद्र वर्मा, शेखर वर्मा, हेमसिंह वर्मा, आत्मा वर्मा, चम्पेश्वर वर्मा, प्रदेश महामंत्री योगेश वर्मा, कमलेश वर्मा, पोषण वर्मा, कबीर सिंह वर्मा, सौरभ, नागेश वर्मा, प्रीतम, दीपक, भीखसिंह, ताराचंद वर्मा, सुदामा वर्मा, महावीर वर्मा एवं बीरबल वर्मा सहित अनेक सामाजिक बंधु एवं युवा साथी उपस्थित रहे।समाज के लोगों ने एकजुट होकर मांग की कि स्व. दाऊ उमराव सिंह वर्मा जी के सम्मान में यह पहल की जाए, जिससे बेमेतरा की ऐतिहासिक पहचान को नई गरिमा मिले और उनके नाम एवं योगदान को स्थायी सम्मान प्राप्त हो।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।